राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,23 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-242 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा सांसद और पूर्व उप मुख्यमंत्री के बीच घमासान
काछडिया के पटेल पर बड़ा आरोप

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,नितिन पटेल के सरकार से बाहर होते ही भाजपा सांसद नारायण काछडिया ने उन पर बड़ा आरोप लगाया है। दोनों नेताओं के बीच सोशल मीडिया पर घमासान छिड़ गया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के बाद अमरेली से भाजपा सांसद नारायण काछडिया ने लिखा कि 'जब हम गांधीनगर जाते थे, तब नितिन पटेल हमारे सामने तक नहीं देखते थे, ऐसे में काम की उम्मीद क्या करते? नारायण काछडिया ने कहा कि गुजरात

में भाजपा की सरकार आने के बाद नितिन पटेल कोई न कोई वरिष्ठ पदों पर रहे हैं। मैं नितिन पटेल के रामायण वाले बयान पर पूछना चाहता हूं कि भाजपा में मंथरा कौन और विभीषण कौन? भाजपा में लगातार संघर्ष कर आगे बढ़ने वाले कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण पद मिलना ही चाहिए और भाजपा हाईकमांड ने इसीलिए राज्य में नेतृत्व परिवर्तन किया है। जिसमें कई संघर्ष करने वाले लोगों को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है, जिसके लिए सभी को खुश होना चाहिए। नितिन पटेल को चाहिए था कि वह दूसरी कैडर तैयार करने का पार्टी हाईकमांड से अनुरोध करते। लेकिन वह पार्टी में मंथरा और विभीषण की बातें कर रहे हैं?' गौरतलब है नितिन पटेल कुछ दिन पहले एक बयान दिया था, जिसमें अपने राजनीतिक सफर के दौरान बहुत कुछ गंवाया होने का उल्लेख किया था। नितिन पटेल ने कहा था कि पार्टी के लिए दिन रात एक किया है। पार्टी का जब स्वर्णिम काल आया तब ऐसे कार्यकर्ताओं को महत्व दिया जाना चाहिए। नितिन पटेल के उसी बयान को लेकर नारायण काछडिया ने नितिन पटेल को घेरने का प्रयास किया। काछडिया ने कहा कि नरेन्द्र मोदी तो दिल्ली चले गए, लेकिन नितिन पटेल की वजह से सौराष्ट्र की सौनी योजना का काम अधर में लटका हुआ है।

जखौ के समुद्र तट से मिला
विस्फोटकों से भरा बॉक्स, सर्च ऑपरेशन शुरू

क्रांति समय दैनिक समाचार

कच्छ के जखौ क्षेत्र से आए दिन नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं। अबकी बार जखौ के समुद्र तट से विस्फोटकों से भरा बॉक्स बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई हैं और क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक कच्छ के जखौ में स्थानीय मछुआरों को एक संदिग्ध बॉक्स मिला था।

बॉक्स में संदिग्ध विस्फोटक भरी हुई पाइप देख मछुआरों ने तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। खबर मिलते ही मरीन पुलिस और बीएसएफ घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह से करोड़ों रूपए की हेरोइन पकड़ी गई है। दो कंटेनरों से बरामद 3000 किलो हेरोइन कीमत 21000 करोड़ बताई जाती है। टेल्कम स्टोन के नाम पर हेरोइन मंगवाने वाले आंध्र प्रदेश के विजयवाडा की एक फर्म के संचालक दंपत्ति को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

नशीले पदार्थों के अब विस्फोटक बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

अनिवार्य वैक्सीन सर्टिफिकेट योजना से
एएमटीएस-बीआरटीएस की आय घटी

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,कोरोना की संभावित तीसरी लहर और टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करने के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका संचालित एएमटीएस और बीआरटीएस की बसों में यात्रा के लिए वैक्सीन सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य कर दिया गया था। 20 सितंबर से प्रभावी इस योजना के तहत वैक्सीन सर्टिफिकेट दिखाने के बाद ही कोई भी यात्री बस में सफर कर सकता है। महानगर पालिका की इस योजना का एएमटीएस और बीआरटीएस की आय में विपरीत असर हुआ है। पिछले दो दिन में नगर परिवहन की बसों में यात्रियों की संख्या और आय घट गई है। कोरोना से लोगों को सुरक्षित करने के लिए गुजरात समेत देशभर में टीकाकरण अभियान चलाकर 100 फीसदी वैक्सीनेशन का लक्ष्य पाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में अब भी कई लोग किसी कारणवश टीका लगवाना टाल रहे हैं। ऐसे लोगों को खोजने और उन्हें कोरोना से सुरक्षित करने के उद्देश्य से अहमदाबाद महानगर पालिका ने 20 सितंबर से खास अभियान शुरू किया है। इसके अंतर्गत महानगर पालिका के सभी दफ्तर, शहर के छोटे-बड़े बाग-बगीचे, जिम्नेशियम, लाइब्रेरी, कांकरिया लेक, चिड़िया घर समेत नगर परिवहन की बसों में यात्रा करने वालों से वैक्सीने सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है। महानगर पालिका के इस अभियान का एएमटीएस और बीआरटीएस की बस सेवा पर गंभीर असर हुआ है। वैक्सीन सर्टिफिकेट मांगे जाने से एएमटीएस और बीआरटीएस की बसों में यात्रियों की संख्या 30 प्रतिशत घट गई है और इसका सीधा असर आय पर हुआ है। सामान्य दिनों में प्रति दिन 17 से 18 लाख रूपए की आय होती थी, लेकिन वैक्सीन सर्टिफिकेट अनिवार्य किए जाने से आय रु 11 से रु12 पर हो गई। इसी प्रकार बीआरटीएस की आय 15 से 16 रूपए से घटकर रु 10 से रु 11 लाख रह गई है। जिसे लेकर महानगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है और इसके समाधान की माथापच्ची में जुटे हुए हैं।

पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री का
जनसुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में जनता की सुविधा के मद्देनजर अहम निर्णय किया है। निर्णय के अनुसार राज्य के दूरदराज के गांवों या दुर्गम इलाकों से अपने कामकाज या अन्य मसलों को लेकर सचिवालय आने वाले सामान्य नागरिकों को राज्य सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को सोमवार एवं मंगलवार को मुलाकात के लिए समय आवंटित करना होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंत्रियों और अधिकारियों को इन दो दिनों यानी सोमवार एवं मंगलवार के दौरान किसी तरह बैठक, मीटिंग या अन्य कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के संबंध में अधिक जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी एवं शिक्षा मंत्री जितेंद्र वाघाणी ने कहा कि राज्य सरकार के मंत्री और अधिकारी बैठक, मीटिंग या अन्य कार्यक्रमों में व्यस्त नहीं होंगे तो पूरे दिन के दौरान वे अपने कार्यालय में आम नागरिकों से मिल सकेंगे, उस जनहितकारी दृष्टिकोण के साथ मुख्यमंत्री ने यह निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इससे नागरिकों को अपने कामकाज के सिलसिल में मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात करने में आसानी रहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि भूपेंद्र पटेल ने इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू करने के भी निर्देश दिए हैं।

सप्ताह के पहले दो दिन आम लोगों से अपने कार्यालय में मिलेंगे मंत्री और अधिकारी

इन दो दिनों के दौरान किसी तरह की बैठक, मीटिंग या अन्य कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने के निर्देश

चुनाव से पहले गांधीनगर लाई जा रही
विदेशी शराब सांतेज पुलिस ने पकड़ी

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधीनगर,सांतेज पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर जासपुर टींबावास के निकट से एक कार से विदेशी शराब बरामद की है। स्कोर्पियो कार में मिली शराब गांधीनगर लाई जा रही थी। पुलिस को देख कार का ड्राइवर मौके से भाग निकला। बता दें कि गांधीनगर महानगर पालिका के चुनाव होने हैं और चुनाव के वक्त शराब की गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के जिला पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा ने सख्त आदेश दिए हैं। इसके अंतर्गत सांतेज पुलिस देर रात गश्त पर थी, उस वक्तसूचना मिली की सफेद रंग की स्कोर्पियो कार में विदेशी शराब लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने निजी और सरकारी वाहनों के साथ अलग अलग टीमें बनाई और धानज जासपुर रोड पर नर्मदा नहर के ब्रिज पर दोनों छोर पर निगरानी बढ़ा दी। उस दौरान वहां से तेज रफ्तार में गुजर रही स्कोर्पियो कार को रोकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देख ड्राइवर ने कार की स्पीड बढ़ा थी। पुलिस ने कार का पीछा किया और जासपुर टींबावास से कार को पकड़ लिया। हांलाकि पुलिस के पहुंचने से पहले ड्राइवर मौके से भाग निकला। कार से विदेशी शरीब की 28 पेटियां बरामद हुई हैं। पुलिस ने रु 117505 की विदेशी शराब और कार समेत रु 467505 का माल सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

अवैध बांधकाम कराने वाले ने किया,
अवैध रूप से लारी-गल्ले पर रोजगार करने वाले को हटाया

सूरत शहर में अलग-अलग इलाकों में दबाव देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई क्षेत्र रहे हैं जहां कुछ लॉरियों और दुकानदारों द्वारा अवैध दबाव डाला गया है और इससे यातायात प्रवाह में भी काफी परेशानी हुई है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालिबान में तकरार

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी से जुड़ी जितनी भी आशंकाएं जताई गई थीं, वे सब सही साबित हो रही हैं। खबरों के मुताबिक, अंतरिम सरकार में उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और सरकार में शामिल हक्कानी नेटवर्क के बीच गहरे मतभेद उभर आए हैं। कहा तो यह तक जा रहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई और गोलियां चलीं, जिनसे कुछ लोग जख्मी हुए। अब पश्चिमी मीडिया की खबरें संकेत दे रही हैं कि हक्कानी गुट ने बरादर को अगवा कर लिया है। सब जानते हैं कि कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका-तालिबान वार्ता में तालिबान का प्रतिनिधित्व अब्दुल गनी बरादर कर रहे थे और दोनों के बीच हुए करार में तालिबान ने एक ऐसी समावेशी सरकार पर हामी भरी थी, जिसमें अफगानिस्तान के सभी जातीय समूहों, तबकों और क्षेत्रों की नुमाइंदगी होगी। पर हक्कानी नेटवर्क अब आईएसआई के इशारे पर पाकिस्तान विरोधी तत्वों को सत्ता में प्रभावी होने से रोकने में जुटा है। विडंबना यह है कि इस संभावित हालात से अमेरिका व नाटो समेत पूरी दुनिया वाकिफ थी, फिर भी तालिबान और उसके मददगार देशों-संगठनों पर वह कोई दबाव नहीं बना सकी। बहरहाल, जिस समय पश्चिमी मीडिया में बरादर के अगवा होने का अंदेशा जताया जा रहा था, लगभग उसी वक्त तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कुछ जातीय समुदायों के नए मंत्रियों के नामों की घोषणा की है, जिनमें एक भी महिला का नाम शामिल नहीं है। मुजाहिद ने फिर वही पुराना राग दोहरा दिया कि औरतों को सरकार में शामिल करने के मसले पर विचार हो रहा है। छूट गए समूहों की नुमाइंदगी के लिए मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में औरतों को शामिल किया जा सकता है। साफ है, तालिबान अपनी पुरातन सोच से डिगने को तैयार नहीं है और अफगानिस्तान की स्थितियां लगातार गहन अराजकता की ओर बढ़ रही हैं। तालिबान सरकार के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब आईएसआई की रोज-रोज की मुदालखत से बेजार हो गए हैं, तो अब्दुल गनी बरादर को समावेशी सरकार के वादे को लागू कराने के लिए अपने ही संगठन के लोगों से लड़ना पड़ रहा है। बरादर अपेक्षाकृत उदार माने जाते हैं और वह अच्छी तरह जानते हैं कि तालिबान हुकूमत की वैश्विक मान्यता इसी बात पर निर्भर है कि वह कितनी तेजी से मुल्क में व्यवस्था कायम करती है और अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तें लागू करती है। आम अफगानों की जिंदगी दिनोंदिन बदहाल हो रही है और दुनिया के देश चाहकर भी उनकी मदद करने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं। यह स्थिति इस पूरे क्षेत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। अब जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक शुरू हो चुकी है, तब दुनिया को इस मसले पर पूरी गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि अराजक अफगानिस्तान आतंकियों का फिर से अड्डा न बन सके, बल्कि हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकी संगठनों के पर कतरने के लिए इस्लामाबाद पर शिकंजा कसे जाने की जरूरत है। अगर अफगानिस्तान में तालिबानी समूह आपस में उलझते गए, तो उनके संघर्ष का खामियाजा स्थानीय नागरिकों को तो भुगतना पड़ेगा ही, पड़ोसी देशों की भी सिरदर्दी बढ़ती जाएगी, खासकर भारत जैसे देशों को इसके मद्देजनर अतिरिक्त सुरक्षा व्यय करने पड़ेंगे।

'आज के ट्वीट

सहयोग

26 सितंबर को आयोजित होने वाली रीट परीक्षा में 16.51 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह प्रदेश की अभी तक की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। प्रदेश सरकार ने अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज में निशुल्क यात्रा का इंतजाम किया है। अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है ऐसे में सभी के सहयोग की जरूरत है।

-- मु. अशोक गहलोत

असमानता का आधार बनी डिजिटल शिक्षा

- प्रमोद भार्गव

यह अच्छी बात है कि देश में विद्यालय खुलने शुरू हो गए हैं और भौतिक रूप से छात्रों की उपस्थिति बढ़ने लगी है। यदि अक्टूबर में कोरोना की तीसरी लहर का प्रकोप नहीं आता है तो सभी शालेय कक्षाएं सामान्य रूप में चलने लगेंगी। इससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और निजी विद्यालयों के बेरोजगारी का दंश झेल रहे शिक्षक भी रोजगार से लग जाएंगे। हालांकि देश में ऑनलाइन पढ़ाई का सिलसिला चल रहा था, लेकिन इसका लाभ आर्थिक रूप से संपन्न अभिभावकों के बच्चे ही उठा पा रहे थे। इस डिजिटल बंटवारे के परिणामस्वरूप ऑनलाइन शिक्षा असमानता का कारण तो बनी ही, जो छात्र ऑनलाइन शिक्षा ले रहे थे, उनमें सीखने की क्षमता भी घट गई। यह हकीकत यूनीसेफ और कुछ स्वयंसेवी संगठन सर्वेक्षण से सामने आई है। 1400 घरों में किए सर्वे से खुलासा हुआ है कि शहरी क्षेत्रों में नियमित ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले छात्र महज 24 फीसदी हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या घटकर मात्र 8 फीसदी रह गई है। केवल तीन चौथाई शहरी छात्रों और 50 फीसदी ग्रामीण छात्रों के पास ही स्मार्ट मोबाइल फोन हैं। इंटरनेट कनेक्टविटी और रिचार्ज कराने के लिए पैसे का अभाव भी रहा। गोया, इस असमानता के चलते करोड़ों बच्चे शिक्षा में पिछड़ गए। इसकी भरपाई विद्यालय अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर करें तो बेहतर होगा। कोरोना महामारी के दौरान अधिकांश विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं, परंतु इससे 80 प्रतिशत बच्चों में सीखने की क्षमता घट गई है। सबसे ज्यादा 4 से 18 साल के बच्चे व किशोर प्रभावित हुए हैं। बच्चों में नई चीजों को सीखने की जिज्ञासा और उत्साह भी कम हुआ है। जबकि यही उम्र सीखने और सीखे हुए को स्मृति में रखने की दृष्टि से सबसे ज्यादा उपयुक्त होती है। देश के छह राज्यों में यूनीसेफ ने इन कक्षाओं पर सर्वे किया है। इस रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि पांच से 13 वर्ष आयु समूह के छात्रों के 73 फीसदी माता-पिता, 14 से 18 वर्ष के 80 फीसदी किशोरों के माता-पिता और 67 प्रतिशत शिक्षकों का कहना है कि बच्चे विद्यालय जाने की तुलना में कम सीख रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 8 प्रतिशत शिक्षकों के पास स्मार्टफोन या लैपटॉप नहीं हैं और 33 प्रतिशत शिक्षकों का कहना है कि इन आभासी कक्षाओं से विद्यार्थियों को कोई फायदा नहीं है। इन कक्षाओं में 30 से 40 फीसदी शहरी छात्र शिक्षकों के संपर्क में ही नहीं आए। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और बदतर रही। ऑनलाइन यानी, डिजिटल शिक्षा का हश्र सिर मुड़ाते ओले पड़ने की शक्ल में दिखाई देने लगा है। लॉकडाउन के बीच शुरू हुई ऑनलाइन पढ़ाई का चलन स्कूली बच्चों पर भारी पड़ रहा है। नतीजतन उन्हें कई-कई घंटे कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल उपकरणों पर आंखें गड़ानी पड़ती और दिमाग पर ज्यादा जोर डालना पड़ रहा है। इससे विद्यार्थी अनावश्यक रूप से एकांगी और चिंतित दिखाई देने लगे हैं। अपने बच्चों में अचानक आए इन लक्षणों की बड़ी संख्या में शिकायत अभिभावकों ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय और केंद्रीय विद्यालय संगठन से भी की हैं। बिना विचार किए डिजिटल माध्यम से विवश किए बच्चों को इस मानसिक तनाव से उबारने के लिए अब मंत्रालय ने इस परिप्रेक्ष्य में मानक क्रियाशील प्रक्रिया (स्टेंडर्ड ऑपरेटिव प्रोसीजर) अपनाने का निर्णय लिया है। संक्षिप्त में एसओपी नाम से जाने, जाने वाले इस मंत्र का इस्तेमाल कंपनियों में विफलता को कम करते हुए दक्षता, गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्पादन में वृद्धि व एकरूपता लाने के लिए किया जाता है। अब पहली बात तो यह कि बच्चों का मस्तिष्क कोई कारखाने की भट्टी नहीं है कि आप संख्या में वस्तु का उत्पादन बढ़ाने का काम कर रहे हों ? जबकि विवेकानंद ने शिक्षा को जीवन के विकास का मंत्र बताते हुए कहा था कि मात्र सूचना प्राप्त करना, पुस्तकों से सीखना या इच्छाओं पर बलपूर्वक रोक लगाकर यांत्रिक बना देना शिक्षा नहीं है। शिक्षा वह है, जो मनुष्य को साहसी और चरित्रवान बनाती है। देश में शिक्षा और शिक्षण पद्धति को लेकर एक विचित्र विरोधाभास और दुविधा की स्थिति बनी हुई है। एक आदर्श और गुणकारी शिक्षा व्यवस्था में कौन से तत्व शामिल होने चाहिए इस संदर्भ में पिछले 74 साल में भी कोई एक निश्चित धारणा नहीं बन पाई है। फलतः इस अनिश्चितता का दंड हर नई पीढ़ी भोगती है। ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान पीढ़ी को दंड के रूप में मानसिक प्रताड़ना झेलने का सबब बन रही है। मानव संसाधन मंत्रालय को अभिभावकों को जो थोक में शिकायतें मिली हैं, उनमें कहा है कि 'बच्चों को विद्यालयों की ओर से घंटों ऑनलाइल पढ़ाया जा रहा है। होमवर्क भी उसी अनुपात में दिया जा रहा है। परिणामस्वरूप बच्चे दिन-दिन भर कंप्युटर, लैपटॉप और मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस अनावश्यक व्यस्तता के चलते उनका व्यवहार बदल रहा है। सीखने की क्षमता घट गई है और उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। वे हठी और गुस्सैल भी हो रहे हैं। मानसिक बोझिलता से जुड़ा यह एकांगीपन निकट भविष्य में उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। वे मानसिक अवसाद में आकर उल्टा-सीधा या कोई भयानक कदम उठा सकते हैं। कई बच्चे अश्लील कहानी पढ़ते, सुनते या देखते भी अभिभावकों ने पकड़े हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुए जब दिल्ली में 27 किशोर-किशोरी मित्र छात्र-छात्राएं इंस्टाग्राम पर समूह बनाकर पोर्न फिल्में देखते हुए अपनी सहपाठी छात्राओं से दुष्कर्म की षड्यंत्रकारी योजना बनाते हुए पकड़े गए थे। शायद ऐसे ही मामलों की निगाह में उच्च न्यायालय, दिल्ली के न्यायाधीश डीएन पटेल और हरिशंकर ने कहा है कि ऑनलाइन शिक्षा कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट ने भी कमोबेश यही जताया गया है। दरअसल शैक्षणिक उपकरण कंप्युटर, लैपटॉप और मोबाइल निर्माता व इंटरनेट प्रदाता कंपनियां कोरोना विपत्ति काल को व्यापारिक लाभ की दृष्टि से देख रही हैं। इसलिए प्रसार-प्रचार माध्यमों के जरिए ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि शालेय और उच्च शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन में कोरोना के चलते जो खलल पड़ा है, उसकी भरपाई तकनीकी माध्यमों से आसानी से की जा सकती है ? इस लिहाज से यह नारा भी गढ़ लिया कि 'धीरे-धीरे चलो स्कूल से, पढ़ो ऑनलाइन से।' हालांकि कंपनियों ने इस दिशा में पहल बहुत पहले से ही कर दी है। नतीजतन कई ऑनलाइन प्रारूपों में ई-लर्निंग सामग्री बाजार में उपलब्ध है। वह भारत ही है, जिसमें सबसे विशाल 'के-12 शिक्षा पद्धति एक दशक के पहले विकसित कर ली है।' इसे किंगर गार्डन और 12 वर्षीय बेसिक शिक्षा के नाम से जाना जाता है। यह सामग्री सीडी, एप और सीबीएसई पाठयक्रम की बेवसाइटों पर उपलब्ध है। लेकिन अभी इसका प्रयोग सीमित है। लेकिन इसका कोई खास लाभ नहीं हुआ है। दरअसल ऑफलाइन शिक्षा पद्धति में विद्यार्थी की बुद्धि की परख का परीक्षा का जो तरीका इसमें है, वही इस के-12 शिक्षा प्रणाली में है। महज पुस्तकों के पाठ्यक्रमों को डिजिटल प्रारूप में बदल दिया है। इसलिए यह प्रणाली भी विद्यार्थी के मनोविज्ञान व मनःस्थिति को समझने में सक्षम नहीं है। दरअसल, प्रत्येक विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता और रुचियां भिन्न-भिन्न होती हैं, इसलिए पढ़ाई का एक पाठ्यक्रम और एक जैसा तरीका हरेक छात्र पर कारगर साबित नहीं होता। दरअसल भारत में ही नहीं दुनिया में छात्र को पूर्व से सुनिश्चित कर दिए गए अध्ययन-अध्यापन तक ही सीमित रखा जाता है। आज का शिक्षक हो या फिर प्राध्यापक वह भी विविधतापूर्ण अध्ययनशीलता से दूर है। इसलिए शिक्षक और छात्र निर्धारित शिक्षा से आगे की बात सोच ही नहीं पाते। कमोबेश यही मानसिकता अभिभावकों की है। वे भी अपनी संतान को चिकित्सा, अभियंता, सरकारी अधिकारी, कर्मचारी या फिर किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी पा लेने का लक्ष्य निर्धारित कर देते हैं। जबकि देश के लिए किसान, सैनिक, लेखक-पत्रकार और आदर्श मूल्यों के प्रवचनकर्ता भी सामाजिक ताने-बाने के लिए आवश्यक होते हैं। करीब सात दशक बीतने के बाद यह वास्तविकता एक बार फिर से मुखर होकर स्थापित हुई है कि कोरोना संकट काल में अर्थव्यवस्था को आधार केवल खेती-किसानी के बूते मिला हुआ है। जबकि बीते 70 सालों में सबसे ज्यादा तिरस्कार व अवमूल्यन इसी व्यवसाय का हुआ है। आज अपने बालक को अन्नदाता बनाने की बात शिक्षक और अभिभावक में से कोई नहीं करता। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन द्वार खोलने की बड़ी तैयारी है। लेकिन न तो इसकी विषमताओं को समझने की कोशिश हो रही है और न ही यह कोशिश हो रही है कि इस माध्यम से स्थापित कर दी गईं संकीर्ण शिक्षा की दीवारें टूटना संभव है ? गुरु से दूर एक कोने में मोबाइन स्क्रीन के सामने बैठे शिष्य के मन-मस्तिष्क में क्या है ? यह जब ठीक से आज का शिक्षक नहीं समझ पा रहा तो तकनीक कैसे समझेगी ? क्योंकि तकनीकी शिक्षा में न तो मौलिकता है और न ही पहले से ही लोड कर दिए पाठों से इतर या आगे जाने की क्षमता ? गोया, कृत्रिम तरीके से दी गई शिक्षा, नैसर्गिक या जिज्ञासु प्रतिभा का स्थान ले पाएगी ? या फिर नैसर्गिक शिक्षा को कुंठित करने का काम करेगी ? दरअसल किसी उपकरण में भर दिए गए ज्ञान की एक सीमा होती है और वह तय कर दिए गए प्रोग्रामिंग के अनुसार चलती है। उसमें कोई लचीलापन नहीं होता। जबकि विद्यार्थी की बुद्धि के विकास का क्रम कोई एक सीधी रेखा में नहीं चलता।

संकट के क्षण

श्रीराम शर्मा आचार्य

संकट के क्षण बेशकीमती हैं। जीवन में इनका महत्व व मोल बहुत अधिक है। इतना अधिक कि इन्हें अतिमहत्वपूर्ण और अनमोल कहा जा सके। जब सब कुछ व्यवस्थित होता है और कहीं कोई संकट नहीं होता, तो जीवन चेतना सुप्त व मृतप्राय हो जाती है। जब कुछ बदल नहीं रहा होता है और पुराने की पकड़ मजबूत होती है तो लगभग असम्भव हो जाता है स्वयं को बदलना। लेकिन जब हर चीज अस्त-व्यस्त होती है, जीवन में कुछ भी स्थायी, निश्चित एवं सुरक्षित नहीं होता, कोई नहीं जानता कि अगले क्षण क्या होगा? ऐसे संकट के क्षणों में जीवन स्वतन्त्र होता है परिवर्तन के लिए, रूपान्तरण के लिए। संकट के बिना जीवन लगभग जेल जैसा है। जिसमें बस परम्पराओं, रीतियों, युगों पुरानी सड़-गल चुकी व्यवस्थाओं को विवशताओं के साथ निभाया जाता है। इस जेल से भाग निकलना तकरीबन असम्भव होता है। लेकिन जैसे ही संकट आया कि सब बँधी-बँधायी व्यवस्थाएँ टूट जाती हैं, विवशताओं से मुक्ति मिलती है। तनिक महसूस करें भूचाल आया हो, हर व्यवस्था बिखर चुकी हो, किसी को पता ही न हो कि पहरेदार कहाँ हैं, जेलर कहाँ है? सारे नियम टूट चुके हों, ऐसे क्षणों में कैदी अगर जरा भी सजग हो तो ये संकट के क्षण उसके लिए मोक्ष के क्षण हो सकते हैं। यही वजह है कि जीवन की कारा से, प्रकृति की अर्गलाओं से, माया के बन्धनों से मोक्ष पाने की चाहत रखने वालों के जीवन में संकटों की भरमार होती है। वे भगवान् से पल प्रतिपल, प्रत्येक क्षण, घड़ी, पक्ष, मास, अयन और वर्ष संकटों का वरदान माँगते हैं। भगवान् भी अपने इन प्यारे भक्तों को उदारतापूर्वक संकटों का अनुदान देते हैं। इसी कारण तपस्वी, योगी, ज्ञानी, भक्त आदि भगवान् के जितने भी प्रियजन हैं उनके जीवन में संकट कभी भी कम नहीं पड़ते। लेकिन वे अपने तप, योग, ज्ञान एवं भक्ति से संकट के प्रत्येक क्षण को मोक्ष के क्षण में बदलते हैं।

प्रत्येक संकट उनके लिए ईश्वरीय प्रकाश का द्वार होता है। भगवान् के प्रति अविचल श्रद्धा हो, जीवन के प्रति सकारात्मक भाव हो तो संकट के इन क्षणों से अधिक सुखद आध्यात्मिक साधना का सुअवसर अन्य कुछ भी नहीं।

ढोर हैं या चरवाहे ?

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

कुछ दशकों से पहले और आज के इंसानों में जमीन-आसमान का अंतर है, और इसी के साथ सभी के वर्क कल्चर में भी दिन-रात का अंतर आता जा रहा है। उस जमाने में घर-परिवार का कोई काम हो या फिर समाज, परिवेश और क्षेत्र का, सभी लोग स्वयंस्फूर्त होकर आगे बढ़कर काम कर लिया करते थे और जो काम करते या जो काम उन्हें सौंपा जाता था, उस पर खरे उतरते हुए पूरे विश्वास के साथ कार्यपूर्णता का आनन्द प्रदान करते थे। उस जमाने में किसी को काम सौंप देने का अर्थ यह होता था कि वह कार्य पूरे परफेक्शन के साथ पूर्ण और परिपक्व होकर ही सामने आता था। कर्त्ता और कार्य सौंपने या कराने वाले दोनों को आत्म संतोष एवं आनंद की अनुभूति होती थी। इसके साथ ही एक और विशेषता यह थी कि हर व्यक्ति अपने कर्म के साथ अपनी पहचान बनाने और अपने कर्म को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने तथा इससे भी अधिक अपनी और कर्म की प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर अभिवृद्धि के लिए हर क्षण प्रयासरत रहा करता था। यही वजह थी कि समाज-जीवन और परिवेश के विभिन्न क्षेत्रों में हर हुनरमन्द के नाम की अपनी पृथक और अन्यतम पहचान हुआ करती थी। आज वह स्थिति नहीं दिखती। अब लोग काम करने में विश्वास नहीं रखते बल्कि काम टालने और इससे बचने के लिए निरन्तर जतन करने में लगे रहते हैं। बिना कुछ किए बहुत कुछ पाने के फेर में हमारी कार्य संस्कृति का ह्रास होता जा रहा है। फिर जब उन लोगों को देखते हैं जो बिना कुछ किए किसी न किसी की दया, करुणा, अनुकंपा या और किसी परोक्ष-अपरोक्ष आत्मीय संबंधों के बहुत कुछ पाते हुए वैभवशाली होते जा रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से जिज्ञासुओं का ध्यान उनकी ओर जाता है तथा वे भी वित्तेषणा और लोकेषणा के स्वप्न देखते हुए अनुकरण करने के लिए उद्यत रहते हैं। और इस पूरी यात्रा में लोगों को लगता है कि भिखारियों और दासों की तरह जीते हुए अपनी रीढ़ को ऐलास्टिक बनाकर चलने पर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है और इसके लिए छोड़ना पड़ते हैं केवल स्वाभिमान और शर्म। फिर तो कोई बाधा सामने आती ही नहीं। एक बार जब शर्म और स्वाभिमान को छोड़ दें तो फिर कोई कारण नहीं कि किसी मर्यादा और सीमा को ध्यान में रखना पड़े। अब घर-परिवार हो या कोई सा संस्थान या समूह। हर किसी को उसके काम के बारे में बताना पड़ता है, बार-बार निर्देशित करना पड़ता है तब जाकर इंसान काम करने में जुटता है। फिर भी इस बात की कोई गारंटी नहीं कि वह काम अच्छी तरह हो ही जाए। परिपक्व इंसानों के लिए कहा जा सकता है कि उन्हें कोई सा काम एक बार बता दो, सौंप दो, फिर निश्चिन्त हो जाएं, लेकिन अब इस बात को सभी के लिए लागू नहीं माना जा सकता। अब कुछ फीसदी इंसानों को छोड़कर अन्यों को बार-बार किसी न किसी एक सा अधिक कामों के बारे में बताना और निर्देशित करना पड़ता है। एक बार किसी को समझा देने पर उसे समझ में आ ही जाए, इस बात की कोई गारंटी नहीं। और जिसे बार-बार एक ही बात समझानी पड़े, उसे सच्चा मनुष्य नहीं माना जा सकता। कुछ लोग जीवन भर पशुओं की तरह की व्यवहार करते हैं। इन्हें कितनी ही बार समझाओ, लेकिन समझेंगे नहीं। और इस स्थिति में इनके प्रति कभी गुस्सा और आक्रोश का भाव पनपता है और कभी इनके मनुष्य होने पर दया भी आती है। स्वयंस्फूर्त मेधा-प्रज्ञा और व्यवहार से कार्य सिद्धि में पूर्णता दिखाने वालों की कमी अब महसूस की जाती रही है। इनमें भी कई लोग तभी मन लगाकर काम करते हैं जबकि अतिरिक्त आवक या कोई न कोई लोभ-लालच या प्रलोभन दिख जाए अथवा इसकी संभावनाएं हों। हर कोई चाहता है कि परिश्रम से कई गुना अधिक लाभ प्राप्त हो। और इस सम्पूर्ण स्थिति में उन लोगों की स्थिति बड़ी ही विचित्र हो जाया करती है जिनके जिम्मे लोगों से काम लेना होता है। बार-बार काम की याद दिलाना, मौज-मस्ती और मनोरंजन में रमे हुओं को उनके कर्तव्य कर्म का स्मरण कराते हुए कर्मयोग की ओर मोड़ना और उनसे काम लेना ऐसे ही हो गया है जैसे कि चरवाहे की भूमिका अदा करनी पड़ रही है। बड़े-बड़े लोग महसूस करते हैं कि अब उनकी स्थिति चरवाहों जैसी ही हो गई है। कोई कितना ही बड़ा क्यों न हो, उसे चरवाहों की भूमिका में आकर ही औरों से काम ले पाना आसान होता है अन्यथा कार्यसिद्धि में विलम्ब, अपूर्णता और गुणवत्ताहीनता का खतरा हमेशा बना ही रहता है। असल में इंसान वही हैं जिनके कर्म के प्रति श्रद्धा और विश्वास हो, अन्यथा हम सभी ईमानदारी से यह तय करें कि हम किस श्रेणी में आते हैं। पूरी गंभीरता के साथ यह भी सोचने की आवश्यकता है कि हम मनुष्य के रूप में खरे उतर रहे भी हैं या नहीं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

फेसबुक ने दो नए पोर्टल वीडियो कॉलिंग डिवाइस लॉन्च किए

सैन फ्रांसिस्को। सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक ने अपने पोर्टल वीडियो कॉलिंग डिवाइस के दो नए मॉडल की घोषणा की है। इनमें 10 इंच का पोर्टेबल पोर्टल गो, जिसकी कीमत 199 डॉलर है और नेक्स्ट-जेन पोर्टल प्लस 14 इंच के एचडी टिल्टिंग डिस्प्ले के साथ 349 डॉलर की कीमत है। पोर्टल गो और पोर्टल प्लस की शिपिंग 19 अक्टूबर से शुरू होगी, प्री-ऑर्डर अभी पोर्टल डॉट फेसबुक डॉट कॉम पर खुले हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, दूरस्थ कार्य के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति बनने के साथ, वितरित टीमों को फायदा हो सकता है कि वे एक ही कमरे में एक साथ हैं। इसलिए हम फिर से कल्पना कर रहे हैं कि पोर्टल का उपयोग कैसे किया जाता है कि घर पर और कार्यालय में उन स्थानों में सहयोग के अवसरों को अनलॉक करके जहां व्यवसाय किया जाता है। पोर्टल गो फेसबुक हार्डवेयर का पहला वर्जन है, जो बैटरी के साथ काम करता है। फेसबुक का पोर्टल लगभग पूरी तरह से वीडियो कॉलिंग के लिए है। पोर्टल गो पोर्टल स्मार्ट कैमरा वीडियो कॉलिंग को एक नए पोर्टेबल वर्जन में लाता है। यह पोर्टेबिलिटी को आसान बनाने के लिए एक एकीकृत हैंडल और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ बातचीत को एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने देने के लिए डिजाइन किया गया है। पोर्टल गो में इमर्सिव वीडियो कॉल के लिए अल्ट्रावाइड फील्ड ऑफ व्यू के साथ 12 एमपी का कैमरा है। नए 14-इंच पोर्टल प्लस में अल्ट्रावाइड फील्ड ऑफ व्यू के साथ 12 एमपी का स्मार्ट कैमरा भी है। सभी पोर्टल डिवाइस अब जूम, सिस्को के वीबेक्स, ब्लू जीन्स के साथ-साथ गोटूमीटिंग का समर्थन करते हैं और दिसंबर में, पोर्टल माईक्रोसॉफ्ट टीमों के लिए समर्थन देगा।

सिफी टेक्नोलॉजीज 200 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर करेगा स्थापित

चेन्नई। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा है कि नैस्डैक लिस्टेड सिफी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अगले चार वर्षों में हाइपरस्केल और खुदरा सुविधाओं के मिश्रण के साथ 200 मेगावाट क्षमता के डेटा केंद्र स्थापित करेगा। नए डेटा सेंटर मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में स्थापित किया जाएंगे, जहां वित्तीय यातायात की सघनता को देखते हुए कॉलोकेशन और क्लाउड स्पेस दोनों की मांग अधिक होने की उम्मीद है। 2000 में डेटा सेंटर बाजार में प्रवेश करते हुए, सिफी ने पिछले कुछ वर्षों में 10 वाहक-तटस्थ डेटा केंद्रों का निर्माण और संचालन किया है, जो वर्तमान में वाशी, बेंगलुरु, चेन्नई, ऐरोली, नोएडा, रबाले, हैदराबाद और कोलकाता में 70 मेगावाट से अधिक पर कर रहा हैं। क्लाउड कवर के माध्यम से, सिफी पूरे भारत में 49 डेटा केंद्रों के नेटवर्क की भी सेवा करता है। कंपनी ने कहा कि पिछले 21 सितंबर को वाशी में उसके पहले डाटा सेंटर ने निर्बाध संचालन के 21 साल पूरे किए हैं। राजू वेगेस्ना, अध्यक्ष ने कहा,सिफी ने सितंबर 2000 में मुंबई के वाशी में इन्फोटेक पार्क में देश के पहले समवर्ती-रखरखाव योग्य डेटा सेंटर के शुभारंभ के बाद से भारत में डेटा सेंटर स्पेस में अग्रणी और उच्च मानकों को स्थापित किया है।

आर्थिक वृद्धि के लिए स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में अधिक निवेश की जरूरतः दास

(एजेंसी):

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि महामारी के बाद लगातार आर्थिक वृद्धि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश तथा श्रम एवं उत्पाद बाजारों में सुधारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। एआईएमए राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने लगातार वृद्धि और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, डिजिटल क्षेत्र में ढांचागत सुविधाओं में निवेश बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने उभरते और विकासशील देशों में सबसे ज्यादा गरीब और वंचित तबकों को प्रभावित किया है। दास ने कहा, ''हमारा प्रयास महामारी के बाद रहने योग्य और टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने का होना चाहिए। आने वाले समय में निजी खपत को टिकाऊ रूप से पटरी पर लाना महत्वपूर्ण होगा। यह ऐतिहासिक रूप से समग्र मांग का मुख्य आधार रहा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार वृद्धि मध्यम अवधि के निवेश, मजबूत वित्तीय प्रणाली और संरचनात्मक सुधारों के साथ आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस उद्देश्य के लिए, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, नवोन्मेष,

भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश को गति देने की जरूरत है। हमें प्रतिस्पर्धा और गतिशीलता को प्रोत्साहित करने और महामारी से उत्पन्न अवसरों से लाभ उठाने के लिए श्रम एवं उत्पाद बाजारों में सुधारों को जारी रखा चाहिए।''

ऑडी ने भारतीय बाजार में दो इलेक्ट्रिक सुपरकारों को पेश किया, कीमत करोड़ों में

मुंबई । ऑडी ने बिजली से चलने वाली गाड़ियों के प्रति बढ़ती रूचि के बीच बुधवार को अपनी दो इलेक्ट्रिक 'सुपरकारों' ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी को भारतीय बाजार में उतारने की घोषणा की। कंपनी ने अनुसार ई-ट्रॉन जीटी संस्करण की कीमत 1.79 करोड़ और आरएस ई-ट्रॉन जीटी संस्करण की कीमत 2.04 करोड़ रुपये (एक्स शोरूम) रखी गई है।खास बात यह है कि यह दोनों गाड़ियां 5 से 80 प्रतिशत तक केवल 22 मिनट में चार्ज हो सकती है। ऑडी ने बताया कि ई-ट्रॉन जीटी 390 किलोवाट की बैटरी से लैस हैं तथा 4.1 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार पकड़ सकती है, जबकि 475 किलोवाट की क्षमता के साथ आने वाली आरएस ई-ट्रॉन जीटी मात्र 3.3 सेकंड में इतनी ही गति हासिल कर सकती है। कंपनी ने कहा कि एक बार पूरी बैटरी चार्ज करने के बाद ई-ट्रॉन जीटी 401 से 481 किमी की दूरी तय कर सकती है।वहीं आरएस ई-ट्रॉन जीटी एक बार चार्ज होने के बाद 388 किमी से 500 किमी तक चल सकती है। इस अवसर पर ऑडी इंडिया के प्रमुख ने कहा कि यह दिन हमारे लिए मील का पत्थर है क्योंकि हम भारत की पहली इलेक्ट्रिक सुपरकार पेश कर रहे हैं।

पहले चार महीने में एफडीआई में 62 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली: सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों जैसे नीतिगत सुधार, निवेश प्रोत्साहन और कारोबारी सुगमता आदि के बल पर चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में 27/37 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 16/92 अरब डॉलर की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अप्रैल से जुलाई के दौरान चार महीने में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 20/42 अरब डॉलर रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9/16 अरब डॉलर की तुलना में 112 प्रतिशत अधिक है। पहले चार महीने में एफडीआई आकर्षित करने के मामले में ऑटोमोबाइल उद्योग शीर्ष स्थान पर रहा है। कुल एफडीआई में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत रही है जबकि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हाडर्वेयर की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 10 फीसदी है। इस अवधि में सबसे अधिक एफडीआई कर्नाटक में 45 प्रतिशत रहा है जबकि महाराष्ट्र 23 प्रतिशत के साथ दूसरे और दिल्ली 12 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा है।

सेंसेक्स 78 अंक टूटा, निफ्टी 17,550 के नीचे आया

मुंबई (एजेंसी):

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 78 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के बीच एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक के शेयरों में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक 77.94 अंक यानी 0.13 प्रतिशत फिसलकर 58,927.33 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 15.35 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,546.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एक प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में एचडीएफसी रहा। इसके अलावा नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक और एचडीएफसी बैंक में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक और बजाज ऑटो शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक में किए गए निर्णय की घोषणा आज रात होगी। उससे पहले, घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में रहा। वैश्विक बाजारों में भी कारोबाार सीमित दायरे में रहा। यूरोपीय बाजारों में तेजी का रुख रहा। वाहन, आईटी और रियल्टी शेयरों में तेजी रही जबकि जी एंटरटेनमेंट के सोनी पिक्चर्स में विलय की खबर से निफ्टी मीडिया सूचकांक 15 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। जी एंटरटेनमेंट के शेयर में 30 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई में तेजी रही जबकि टोक्यो बाजार नुकसान में रहा। हांगकांग और सियोल बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.12 प्रतिशत बढ़कर 75.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

निवेशकों में टाटा सबसे भरोसेमंद समूहः सर्वेक्षण

मुंबई (एजेंसी)।

इक्विटीमास्टर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में टाटा समूह सबसे भरोसेमंद कॉर्पोरेट समूह के रूप में उभरा है। हालांकि, विभिन्न कॉरपोरेट समूहों की विश्वसनीयता का आंकलन करने वाले सर्वेक्षण में पाया गया कि हीरो, जिंदल, आरपीजी समूह और बाकी कॉर्पोरेट समूहों जैसी संस्थाओं पर साक्षात्कार किए गए लोगों की कुल संख्या में से केवल 5 प्रतिशत तक ही भरोसा किया जाता है। इंडिपेंडेंट इक्विटी रिसर्च इनिशिएटिव इक्विटीमास्टर को भारत के 17 सबसे प्रसिद्ध कॉर्पोरेट समूहों से मिलकर बनाया गया था। इसमें कुल 5,274 लोगों ने हिस्सा लिया, जो कि इक्विटीमास्टर डॉट कॉम के विजिटर हैं। यह सर्वेक्षण इस बात की अंतरदृष्टि देता है कि क्या बड़े कॉर्पोरेट समूह निवेशकों का विश्वास अर्जित करने में सक्षम हैं और कैसे विश्वास उनकी दीर्घकालिक सफलता और विकास में एक बड़ी भूमिका निभाता है। चुनाव परिणामों ने यह भी दिखाया था कि बेहतर निवेश सीधे प्रभावी कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित हैं। इसलिए, उन कंपनियों में निवेश करना हमेशा समझदारी भरा होता है जो विश्वास की भावना पैदा करती हैं। चुनाव परिणामों के बारे में सबसे खास बात यह है कि विजेता और बाकी कॉरपोरेट समूहों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। टाटा समूह को कुल मतों का 66.3 प्रतिशत प्राप्त हुआ है, जो कि 2013 में किए गए इस तरह के पिछले सर्वेक्षण में मिले मतों की संख्या (31.8 प्रतिशत) से दोगुने से भी अधिक है। 153 साल पुराने समूह के बाद एवी बिड़ला समूह और मुकेश अंबानी समूह क्रमशः 5.1 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत मतों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वास्तव में, टाटा समूह को छोड़कर, अन्य 16 समूहों में से कोई भी प्रतिभागियों की कुल संख्या के 5 प्रतिशत से अधिक का विश्वास जीतने में सक्षम नहीं है, हालांकि इनमें से कई समूह 2013 में इक्विटीमास्टर के पिछले सर्वेक्षण से कुछ रैंक ऊपर गए हैं। एवी बिड़ला, गोदरेज और टीवीएस समूह 2 रैंक ऊपर उठे हैं, मुकेश अंबानी समूह 6 रैंक ऊपर और राहुल बजाज समूह, जो चौथे स्थान पर आया है, पिछले पोल से नौ रैंक ऊपर चढ़ा है। इस साल के चुनाव परिणामों में एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह था कि 2013 में 4.1 प्रतिशत के विरोध में केवल 2.3 प्रतिशत निवेशकों ने उपरोक्त श्रेणी में से किसी के लिए मतदान नहीं किया था। यह बदलाव, हालांकि छोटा है, निवेशकों के भरोसे कॉर्पोरेट समूहों के प्रति खुलेपन को प्रकट करता है यदि बाद वाले ईमानदारी से इसे अर्जित करने का प्रयास करते हैं। जिस समूह को सबसे कम वोट (0.8 प्रतिशत) मिले हैं, वह आरपीजी (राम प्रसाद गोयनका) समूह है, जो सिएट टायर्स के मालिक हैं। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, इक्विटीमास्टर में अनुसंधान के सह प्रमुख राहुल शाह ने कहा, अगर हम आज कंपनी के मूल्यांकन को देखें, तो एक फर्म के मूल्य का एक बढ़ता हुआ हिस्सा सद्भावना और प्रतिष्ठा जैसे अमूर्त में रहता है और जब अमूर्त को मूर्त बनाने की बात आती है, तो विश्वास से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। उन्होंने आगे कहा, विशेषता कंपनी के नेतृत्व से संगठन के माध्यम से उसके बाहरी हितधारकों तक प्रवाहित होती है जो अंततः लंबी अवधि में लाभप्रदता बढ़ाती है। हालांकि, अगर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो विश्वास की कमी का विपरीत प्रभाव हो सकता है। इक्विटीमास्टर एक इक्विटी अनुसंधान पहल है जो भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कंपनियों पर राय प्रदान करती है।

सोना खरीदने का सुनहरा मौका, रिकॉर्ड लेवल से 10 हजार रुपए हुआ सस्ता

(एजेंसी):

फेड रेट के फैसले से पहले आज भारतीय बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव 46,633 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं, सितंबर का चांदी वायदा 0.71 प्रतिशत बढ़कर 60,870 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। पिछले सत्र में सोने में 0.7 फीसदी और चांदी में 1.2 फीसदी की तेजी आई थी। पिछले साल सोना 56,000 रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर था, ऐसे में सोना रिकॉर्ड लेवल से 10 हजार रुपए सस्ता मिल रहा है।

वैश्विक बाजार में इतनी है कीमत

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय नीति बैठक से पहले निवेशक सतर्क रहे। हाजिर सोना 1,775.63 डॉलर प्रति औंस पर सपाट रहा। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 1.2 फीसदी ऊपर 22.74 डॉलर प्रति औंस पर रही। व्यापक प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप होने वाली संभावित मुद्रास्फीति और मुद्रा में गिरावट के खिलाफ सोने को एक बचाव के रूप में देखा जाता है।

सोने की कीमत पर आधारित होते हैं गोल्ड ईटीएफ

दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड समर्थित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड या गोल्ड ईटीएफ, एसपीडीआर गोल्ड ट्रस्ट की होल्डिंग्स सोमवार के 1001.66 टन के मुकाबले मंगलवार को 0.1 फीसदी गिरकर 1,000.79 टन हो गई। स्वर्ण ईटीएफ सोने की कीमत पर आधारित होते हैं। पीली धातु के दाम में आए उतार-चढ़ाव पर ही इसका दाम भी घटता-बढ़ता है। मालूम हो कि ईटीएफ का प्रवाह सोने में कमजोर निवेशक रुचि को दर्शाता है। एक मजबूत डॉलर अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए सोने को अधिक महंगा बनाता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अप्रैल-जून तिमाही में भारत में सोने की मांग 19.2 फीसदी बढ़ी और यह 76.1 टन पर पहुंच गई। पिछले साल महामारी को रोकने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।

टेस्ला के बाद, मर्सिडीज-बेंज ने की कारों पर आयात शुल्क कम करने की मांग

(एजेंसी):

टेस्ला के बाद जर्मन लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज बेंज ने उच्च आयात शुल्क को कम करने की मांग रखी है। भारत में मर्सिडीज-बेंज के एमडी मार्टिन श्वेन्क ने आयात शुल्क को 'अपमानजनक' बताते हुए कहा कि आयात शुल्क बहुत अधिक है और वैश्विक प्रौद्योगिकियों के साथ नई कारों के लिए बाजार को बढ़ाने के लिए इसे कम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वर्तमान में हमारे यहां बिक्री की मात्रा के निम्न स्तर के कारण भारत में इलेक्ट्रिक सहित सभी नई तकनीकों को स्थानीय बनाना संभव नहीं है। हमें इन शुल्क स्तरों पर ग्राहक नहीं मिल सकते। भारत 40,000 डॉलर से अधिक **CIF** मूल्य (लागत, बीमा और माल ढुलाई) के साथ पूरी तरह से आयातित कारों पर 100 फीसदी का आयात शुल्क और उससे कम सीआईएफ वाले अन्य पर 60 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाता है।

मस्क ने की थी भारत सरकार से मांग

हाल ही में एलन मस्क ने भारत सरकार से इलेक्ट्रिक कारों पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी। मस्क ने कहा था कि फिलहाल भारत में आयात शुल्क दुनिया में सबसे ऊंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर कम से कम अस्थायी रूप से शुल्क राहत मिलेगी। इसके साथ ही मस्क ने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में आयातित वाहनों के साथ सफल रहती है, तो बाद में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने पर विचार कर सकती है।

सरकार ने फसल वर्ष 2021-22 के लिए 30 करोड़ 73.3 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्र ने जून में समाप्त होने वाले चालू फसल वर्ष 2021-22 के लिए 30 करोड़ 73.3 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य फसल वर्ष 2020-21 के रिकॉर्ड 30 करोड़ 86.5 लाख टन के अनुमानित उत्पादन से थोड़ा कम है। यह पिछले वर्ष के उत्पादन से 3.74 प्रतिशत अधिक है।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित रबी अभियान 2021-22 के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान चालू फसल वर्ष का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि केंद्र उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्यों का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन और वर्षा सिंचित खेती से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में राज्यों की मदद करने के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। तोमर ने राज्यों से पानी, बिजली और उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और नैनो-यूरिया का उपयोग करने का आग्रह किया जो भूमि की उर्वरता के लिए कम खर्चीला और फायदेमंद है।

मंत्री ने कहा कि केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) को छोटे किसानों तक पहुंचना चाहिए ताकि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकें। राज्यों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पीएम किसान और केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) हर किसान तक पहुंचे।

महामारी के प्रकोप के कारण एडीबी ने घटाया भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान

(एजेंसी):

एशियाई विकास बैंक ने बुधवार को कहा कि घरेलू मांग और निर्यात में तेजी के बल पर वित्त वर्ष 2021 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 10 फीसदी रह सकती है लेकिन वित्त वर्ष 2022 में यह नरम पडकर 7.5 प्रतिशत रह सकता है। एडीबी ने अपनी एशियन डेवलपमेंट आउटलुक 2021 के अपडेट रिपोर्ट में कहा है कि मार्च 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में कोरोना महामारी की दूसरी लहर से सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसका असर घरेलू उपभोग और शहरी क्षेत्र पर भी हुआ है। उसने कहा कि कोरोना टीकाकरण में तेजी से महामारी के प्रभाव को काफी हद तक नियंत्रित किया है। इसके साथ ही कारोबारियों, आम लोगों और हेल्थकेयर क्षेत्र की तैयारियों से महामारी के प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। एडीबी के भारत में निदेशक टाकिओ कोनिशि ने कहा, ÷भारत अर्थव्यवस्था में सुधार के बेहतर संकेत दिख रहे क्योंकि दूसरी लहर के प्रभाव को काफी हद तक कम किया गया है। सरकार की वैक्सीनेशन पहल, वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए अधिक संसाधनों में राहत देने की पहल के साथ ही स्वास्थ्य से जुड़े उपायों को सशक्त बनाने से तीव्र सुधार में बहुत मदद मिली है। एडीबी ने कहा कि वित्त वर्ष 2021 की तीन अंतिम तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में जबदरस्त तेजी का अनुमान लगाया गया था क्योंकि ई वेबिल, मोबिलिटी डेटा और पीएमआई में सुधार से कोरोना की दूसरी लहर के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी 20.1 प्रतिशत की गति से बढ़ा है। निजी उपभोक और निवेश के कमजोर रहने का अनुमान है क्योंकि दूसरी लहर से लोगों की आय के साथ ही व्यय क्षमता और ऋण उठाव प्रभावित हो रहा है। हालांकि सरकार की राट्रीय मौद्रीकरण योजनाा से सरकारी व्यय में इंफ्रास्ट्रक्चर व्यय में तेजी आने का अनुमान है। कृषि क्षेत्र में तेजी बन रह सकती है। वैश्विक मांग से निर्यात में तेजी आ सकती है। एडीबी ने कहा कि तेल की वैश्विक कीमतों आ रही तेजी के साथ ही घरेलू स्तर पर कमोडिटी की कीमतों में तेजी रहने से मुद्रास्फीति का दबाव बना रहा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीसीसीआई ने निविदा दस्तावेज के लिए समय सीमा बढ़ायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के लिए निविदा दस्तावेज खरीदने की समय सीमा बढ़ा दी है। अब ये टीमें 10 अक्टूबर तक ये दस्तावेज खरीद सकती हैं। इससे पहले आईपीएल संचालन समिति ने 31 अगस्त को 10 लाख रुपए की निविदा फीस के भुगतान पर 'निविदा के लिए निमंत्रण (आईटीटी) दस्तावेज जारी किये थे। यह रकम वापस नहीं होगी। बीसीसीआई के अनुसार इच्छुक पक्षों के अनुरोध पर ही बीसीसीआई ने अब आईटीटी दस्तावेज खरीदने की तारीख को पांच दिन बढ़कर 10 अक्टूबर 2021 तक किया है। बीसीसीआई की साल 2022 के सत्र में दो नयी टीमों को जोड़ने की योजना है और यह टीमें अहमदाबाद, लखनऊ या पुणे हो सकती हैं। इस प्रकार अगले साल से आईपीएल में दस टीमें हो जाएंगी जो अभि आठ हैं।

टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप को ही छोड़ सकते हैं विराट ?

मुम्बई (एजेंसी)।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के बाद टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। वहीं अब माना जा रहा है कि वह टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप में ही खेलना छोड़ सकते हैं। विराट अभी आईपीएल खेल रहे हैं और उन्होंने काम के बोझ का हवाला देते हुए कहा है कि वह अगले साल से आईपीएल टीम आरसीबी की कप्तानी नहीं करेंगे। कोहली साल 2016 से ही टेस्ट, एकदिवसीय, टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत और आईपीएल में आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। भारत की कप्तानी करते हुए कोहली टीम को अभी तक एक भी आईसीसी खिताब नहीं दिला पाए जबकि आरसीबी को एक बार भी चैंपियन नहीं बना सके जबकि कप्तान के तौर पर उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में जबरदस्त सफलता मिली है। कोहली की बल्लेबाजी भी कप्तानी से प्रभावित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाने वाले विराट नवंबर 2019 के बाद से ही शतक नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में बल्लेबाजी पर ही ध्यान केंद्रित करने के लिए वह टी20 प्रारुप की कप्तानी के बाद इस प्रारुप में खेलना ही छोड़ सकते हैं। 5 नवंबर को वह 33 साल के हो जाएंगे और उनकी फिटनेस को देखते हुए कहा जा सकता है कि वह अभी 4-5 साल आसानी से क्रिकेट खेल सकते हैं। अपने करियर को लंबा खींचने के लिए आमतौर पर बल्लेबाज किसी एक प्रारुप में खेलना छोड़ देते हैं। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले जैसे दिग्गज अपने करियर के अंतिम दिनों में सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही खेलते थे। इसी प्रकार कोहली भी किसी एक प्रारुप को छोड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद विराट के इस प्रारुप में कम ही खेलने की संभावनाएं हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप के बाद शुरू हो रहे घरेलू सत्र में 14 टी20, 4 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मैच खेलने वाली है। अगले साल भी टी20 विश्वकप होना है तो ऐसे में सभी टीमें टी20 मैच ही ज्यादा खेल रही है। विराट आईपीएल में तो जरूर खेलेंगे पर टी20 मैचों से हट सकते हैं।

धमकी मिलने के बाद न्यूजीलैंड महिला टीम की बढ़ाई गई सुरक्षा, बोर्ड दिया यह बयान

लीसेस्टर (एजेंसी) ।

इंग्लैंड के खिलाफ लीसेस्टर में आज खेले जा रहे तीसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच के बीच न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि गैर-विश्वसनीय खतरे की आशंका के बाद टीम के चारों ओर सुरक्षा सतर्क है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को न्यूजीलैंड से संबंधित एक धमकी भरा ईमेल मिला है, हालांकि यह विशेष रूप से न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के संदर्भ में नहीं है, लेकिन इसे गंभीरता से लिया गया, जांच की गई और इसे विश्वसनीय नहीं माना गया। न्यूजीलैंड बोर्ड ने सुरक्षा खतरे के कारण टीम के प्रशिक्षण सत्र को रद्द करने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि महिला टीम लीसेस्टर में है और एहतियात के तौर पर उनके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनका प्रशिक्षण सत्र रद्द करने की खबरें झूठी हैं। उनका आज प्रशिक्षण सत्र निर्धारित नहीं था। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड ने सुरक्षा कारणों के चलते अपना पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था।

इसके बाद कल ईसीबी ने भी इंग्लैंड की पुरुष एवं महिला टीम का अगले महीने होने वाला पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया है।

राजस्थान के कप्तान सैमसन पर धीमी ओवर गति को लेकर लगा 12 लाख रूपये का जुर्माना

दुबई (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर गति को लेकर जुर्माना लगाया गया है। टीम की पहली गलती के कारण आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम पर 12 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है। सैमसन की टीम ने पंजाब को बेहद रोमांचक मुकाबले में दो रन से हराया था। इस मैच को जीताने में कार्तिक त्यागी का अहम योगदान रहा।राजस्थान ने 185 रन बनाए जिसके जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में चार विकेट पर 183 रन ही बना पाई। हालांकि, मयंक अग्रवाल ने 67 रनों की पारी की खेल टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई थी।

हमने अपनी योजनाओं पर काम नहीं किया : मिताली राज

मकाय (एजेंसी)।

भारत की वनडे कप्तान मिताली राज ने कहा कि मंगलवार को यहां पहले वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया से टीम की नौ विकेट से हार के पीछे की वजह थी कि हमने अपने योजनाओं पर काम नहीं किया। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज राचेल हेन्स (नाबाद 93) और एलिसा हीली (77) और नंबर 3 की बल्लेबाज मेग लैनिंग (नाबाद 53) ने भारतीय गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ खूब रन बना कर मेजबान टीम को शानदार जीत दिलाई और सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बनाई। भारत की महिलाओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 225/8 रन बनाए थे। मिताली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा,हमारे पास योजनाएं थी पर हमने उस पर काम नहीं किया। कभी-कभी गेंदबाजों को लय नहीं मिलती है, और कभी-कभी उन्हें लय मिल जाती है पर हमारी योजनाएं काम नहीं कर रही है। हमे अपनी गेंदबाजी में काफी सुधार करने की जरुरत है क्योंकि मुख्य रूप से हमारे पास स्पिनर हैं, और स्पिनर हर जगह रन लग रहे हैं, इसलिए हमें अपने योजनाओं के बारे में सोचने की जरुरत है। गेंदबाजी की योजना भले ही विफल हो गई हो, लेकिन भारतीय बल्लेबाजी ने भी मंगलवार को कुछ खास नहीं किया। मिताली राज ने खुद 63 रन बनाने के लिए 107 गेंदें लीं।

मिताली ने बताया कि दो विकेट जल्दी आउट होने के बाद बल्लेबाज ने धिमी बल्लेबाजी क्यों की। मिताली ने बताया कि पावरप्ले में ही दो विकेट गंवाने-खासकर शैफाली (वर्मा) और स्मृति (मंधना) जैसे बल्लेबाजों के बाद यह महत्वपूर्ण था कि मध्य क्रम में हम साझेदारी बनाए।

संक्षिप्त समाचार

आई लीग खिलाड़ियों के लिए पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य, इन खिलाड़ियों को मिलेगी छूट

नई दिल्ली । आई लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनंदो धर ने बुधवार को कहा कि दिसंबर में शुरू हो रही लीग में भाग लेने वाले सभी फुटबॉल खिलाड़ियों का पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य होगा जबकि अंडर-18 और हाल में कोविड-19 संक्रमण से उबरे खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी। आई लीग 2021-22 के कोलकाता और इसके समपवर्ती इलाकों में कड़े बायो-बबल में आयोजित होने की उम्मीद है जिसमें सख्त कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। धर ने साक्षात्कार में कहा, 'आई लीग और आई लीग क्वालीफायर में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों का कोविड-19 टीकाकरण की दोनों डोज लेना अनिवार्य होगा। सिर्फ अंडर-18 खिलाड़ियों और हाल में संक्रमण से उबरने के कारण टीका नहीं लगवा पाने वाले खिलाड़ियों को छूट होगी।' उन्होंने कहा, 'पिछले साल टीकाकरण की दोनों डोज अनिवार्य नहीं थी लेकिन हमने इस बार इसे जरूरी कर दिया है। इसलिये इस बार काफी सख्ती होगी।% अंडर-18 खिलाड़ियों और जो हाल में कोविड-19 से उबरने के कारण टीका नहीं लगवा पाने खिलाड़ियों के टीकाकरण करवा चुके खिलाड़ियों की तुलना में टूर्नामेंट के दौरान ज्यादा परीक्षण किये जाएंगे।

मैं वापसी के लिए अभी सबसे खराब स्थिति में हूं : रोजर फैडरर

ज्यूरिख । रोजर फेडरर का कहना है कि उनकी चोट के बाद वापसी उन्हें अभी तक नजर नहीं आ रही। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह सबसे खराब स्थिति में हैं। फेडरर इस साल दौरे पर वापस आने से पहले अपने दाहिने घुटने की दो सर्जरी के साथ एक साल से अधिक समय से बाहर थे। उन्होंने इस दौरान केवल 13 मैच खेले। जुलाई में विंबलडन में क्वार्टर फाइनल में हार के बाद उन्होंने तीसरा ऑपरेशन करवाया था। स्विस स्टार ने ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मैं बहुत अच्छा कर रहा हूं। पुनर्वसन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा हूं। मेरे पीछे सबसे बुरा है। मैं आने वाली हर चीज की प्रतीक्षा कर रहा हूं। जब आप चोट से वापस आते हैं, तो हर दिन एक बेहतर दिन होता है। इसलिए यह एक रोमांचक समय है। उन्होंने कहा कि अपने घुटने में दर्द के कारण वह जो कुछ भी झेल रहे थे, उसे देखते हुए स्थिति से निपटना कोई मानसिक समस्या नहीं थी।

मैच को 19 वें ओवर में ही समाप्त करने की आवश्यकता थीः कुंबले

दुबई (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के कोच अनिल कुंबले मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मैच में हार के बाद निराश हैं। पंजाब की टीम को अंतिम दो ओवरों में सिर्फ आठ रन बनाने थे पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) इस रोमांचक मैच को दो रन से जीत लिया। युवा आरआर पेसर कार्तिक त्यागी की आखिरी ओवर की शनदार गेंदबाजी ने टीम को एक जबदस्त जीत दिलाई। पंजाब को आखिरी ओवर में चार रन चाहिए थे लेकिन त्यागी ने सिर्फ एक रन दिया और दो विकेट लेकर अपनी टीम को मैच जीतवा दिया। कुंबले जानते हैं कि प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना वास्तव में कठिन काम होगा क्योंकि नौ मैचों में छठी हार का मतलब है कि उनकी टीम, जो वर्तमान में छह अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। अब उन्हें प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए अपने सभी गेम जीतने होंगे।कुंबले ने मैच के बाद कहा, जब हम दुबई में खेल रहे होते हैं तो यह हमारे लिए एक पैटर्न बन गया है। हमें इस मैच को 19वें ओवर में ही समाप्त करने की आवश्यकता थी। इसे अंत तक नहीं जाने देना। लेकिन दुर्भाग्य स जब आप इसे आखिरी दो गेंदों पर छोड़ देते हैं, तो यह लॉटरी बन जाती है। कार्तिक त्यागी को शानदार गेंदबाजी के लिए बहुत बहुत बधाई।कुंबले इस बात से नाखुश थे कि बल्लेबाजों अंतिम ओवर में त्यागी की लाइन का पता नहीं लगा पाए। उन्होंने कहा, यह बहुत स्पष्ट था कि वह बाहर की ओर वाइड गेंदबाजी करने जा रहा था, और किसी तरह हमारे बल्लेबाजों ने सही विकल्प नहीं लिया। हमें इस पर चर्चा करने और इसे सुलझाने की जरूरत है। हमारे पास पांच और गेम हैं, हम नहीं चाहते हैं इस हार से निराश हो जाए हमें इसे निश्चित रूप से भुलाने की जरुरत है।

एंटी करप्शन यूनिट के शक के घेरे में दीपक हुड्डा

स्पोर्ट्स डेस्क . पंजाब किंग्स के ऑलआउंडर खिलाड़ी दीपक हुड्डा राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। जिस वजह से पंजाब की टीम आखिरी ओवर में 2 रन से हार गई। भले ही इस मैच में दीपक हुड्डा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाएं हों पर सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट से वह अब चर्चा में आ गए हैं। राजस्थान के खिलाफ मैच से पहले हुड्डा की एक पोस्ट की जिस पर अब एंटी करप्शन यूनिट नजरें हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले दीपक हुड्डा ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की। इस फोटो में हुड्डा हेल्मेट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। फोटो के साथ हुड्डा ने कैप्शन में लिखा कि हम आ रहे हैं। उन्होंने इसके अपनी फ्रेंचाईजी पंजाब किंग्स को टैग किया। एंटी करप्शन यूनिट के अधिकारियों को शक है कि यह एंटी करप्शन के दिशा निर्देशों का उल्लंघन करती है। एक अधिकारी ने इस पर कहा कि वह निश्चित तौर पर इस गौर करेंगे कि क्या यह बीसीसीआई के एंटी करप्शन के दिशा निर्दशों का उल्लंघन तो नहीं करती। एंटी करप्शन यूनिट ने एक बयान में कहा कि हमने पोस्ट को देखा। हमारी कुछ पबंदियां है जिसमें से एक यह है कि कोई भी टीम को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं करेगा। इसके लिए कुछ दिशा निर्देश भी हैं कि आप सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर सकते हैं और क्या नहीं। हम सोशल मीडिया पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। गौर हो कि बीसीसीआई ने करप्शन के लेकर काफी सख्त है और इसे लेकर कई पॉलिसी बनाई हुई है। एंटी करप्शन के प्रमुख शबीर हुसैन यूएई में खेले जा रहे आईपीएल में कड़ी नजर रखे हुए हैं।

एटलेटिको मैंडिड ने ला लिगा में गेटाफे को 2-1 से हराया

मैड्रिड। लुइस सुअरेज के खेल के अंतमि 12 मिनट के दौ हेडर्स के बदौलत एटलेटिको मैंडिड ने ला लिगा में गेटाफे को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ मैड्रिड की छह मैचों में 14 अंक के साथ अंत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि गेटाफे अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। गेटाफे के लिए स्टीफन मित्रोविक ने एक हेडर के साथ घरेलू टीम के लिए गोल किया। गेटाफे ने 10 खिलाड़ियों के साथ मैच का अंतिम चरण खेला, जब कार्ल्स एलेना को 74 वें मिनट में एटलेटिको के मैथियस कुन्हा ने अपने स्टड से उनके पैर के पीछे हिस्से को दबा दिया, जिसके चलते उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया । मैड्रिड के सुआरेज ने खेल के 78वें और 90वें मिनट में गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

ओलंपिक में टीम के शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण एक संतुलित टीम होना था : हार्दिक सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

युवा भारतीय हॉकी मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों में टीम के शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण एक संतुलित टीम होना था। भारत ने 41 वर्षों के बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

हार्दिक ने कहा, हम एक चुस्त टीम हैं, और मुझे लगता है कि ओलंपिक में हमारी सबसे बड़ी ताकत थी कि हमने एक दूसरे के साथ शानदार संयोजन बनाया था और हम एक-दूसरे के कौशल से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निराशाजनक परिणाम के बाद (1-7 हार), हम एक साथ बैठे और एक-दूसरे से खुलकर बात की कि क्या गलत हुआ और आने वाले मैचों में हमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए क्या करने की जरूरत है। इससे हमें वापसी करने और देश के लिए पदक जीतने में बहुत मदद मिली। 22 वर्षीय हार्दिक भारतीय मिडफील्ड में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने पहले ओलंपिक खेलों में दो महत्वपूर्ण गोल किए। हार्दिक ने कहा, 2018 विश्व कप के बाद, यह (टोक्यो ओलंपिक) सीनियर टीम के साथ मेरा दूसरा बड़ा टूनार्मेंट था, और मैं विश्व कप में अपने प्रदर्शन से वास्तव में संतुष्ट नहीं था। इसलिए, मैं खुद को साबित करना चाहता था कि मैं बड़े स्तर पर बेहतर कर सकता हूं। इसलिए, मेरे लिए यह एक बड़ी चुनौती थी, और मुझे खुशी है कि मैं अच्छा कर सका, और टीम की सफलता में योगदान करने में सक्षम रहा। हार्दिक ने इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में एक यादगार फील्ड गोल किया, जिससे भारतीय टीम को चार दशक से अधिक समय के बाद ओलंपिक में पदक के दौर में प्रवेश करने में मदद मिली। 22 वर्षीय मिडफील्डर ने आगे कहा कि टीम पेरिस 2024 ओलंपिक में स्वर्ण की तलाश शुरू करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, हम पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के लिए अपनी अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। हमें कदम दर कदम अगे बढ़ना होगा, और हमारा पहला कदम 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ओलंपिक खेलों 2024 के लिए सीधे क्वालीफाई करना होगा। फिर 2023 में, हमारे पास एक और मार्की इवेंट है- हॉकी विश्व कप, जो ओडिशा में खेला जाएगा, इसलिए आगे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक समय है, और हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

नटराजन कोरोना पॉजिटिव, करीबी संपर्क में आए छह लोग आईसोलेट हुए

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी. नटराजन निर्धारित आरटी- पीसीआर टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद को टीम के अन्य सदस्यों से अलग कर लिया है और वह फिलहाल लक्ष्णरहित हैं। नटराजन के करीबी संपर्क में आए लोगों में उनके टीम के साथी खिलाड़ी विजय शंकर, नेट गेंदबाज पेरियासामी गणेशन, टीम मैनेजर विजय कुमार, फिजियोथेरेपिस्ट श्याम सुंदर जे, डॉक्टर अंजना वनान और लॉजिटिस्टिक मैनेजर तुषार खेडकर हैं जिन्हें आईसोलेशन में रखा गया है। आईपीएल ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा, टीम के अन्य सदस्यों सहित करीबी संपर्क में आए लोगों का स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया और सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसके बाद आज होने वाला हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में तय कार्यक्रम के अनुसार होगा। नटराजन को घुटने में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी। वह आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से वापसी करने वाले थे। अप्रैल में आईपीएल के पहले चरण में उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए दो मुकाबले खेले थे। इससे पहले, गत चार मई को हैदराबाद के रिद्धिमान साहा, दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के संदीप वारियर और वरूण चक्रवर्ती और चेन्नई सुपर किंग्स के कोच लक्ष्मीपति बालाजी और माइकल हसी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद इस टूनार्मेंट को स्थगित किया गया था। आईपीएल 2021 को करीब चार महीने बाद कड़े बायो-बबल प्रोटोकॉल में यूएई में 19 सितंबर से शुरू किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है । उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षों के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन का ताँता लगा रहता है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका

नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्ज प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पु के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण हैं।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रही। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दोर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी क महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकि पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए कार्तिक मेला हो या जन- संकुल सिंहस्थ या दिन के नगर को तीन और से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। पूर्वी सिरे से नगर में यहां के हर स्थान संबंध स्थापित त्रिवेणी पर नवगृह ही गणना में व्यस्त सडक आपको पहुंचा देगी। धारा हुआ? ये जाने है, जो सुबह-सुबह हरसिध्दि मंदिरों की है। क्षिप्रा जब पूर आती देहली छू लेती है। ही आगे नदी की धारा नगर मछिन्दर और गढकालिका सान्दीपनि आश्रम और

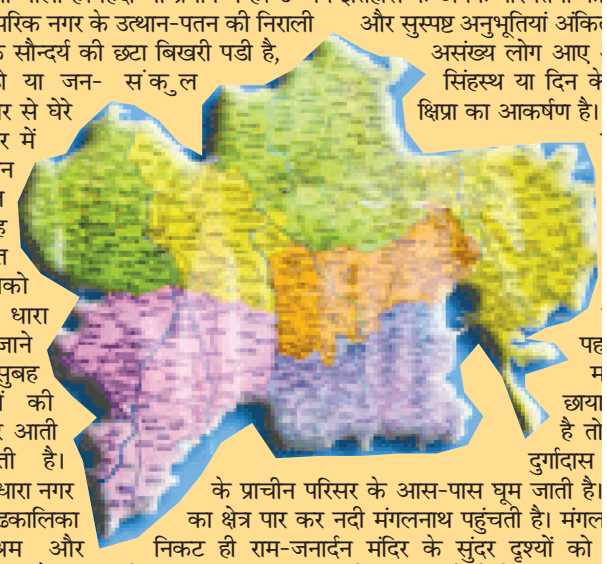

के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगल निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपच अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।

सार समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने लीबिया की संसद से चुनाव की तैयारियों पर ध्यान देने का आह्वान किया

त्रिपोली। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने लीबिया के प्रतिनिधि सभा (एचओआर) (संसद) से आगामी चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनएसएमआईएल ने एक बयान में कहा कि उन्हें एक रिपोर्ट मिली है कि एचओआर ने राष्ट्रीय एकता सरकार (जीएनयू) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया है। एक बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र मिशन उम्मीद करता है कि एचओआर के प्रयास संसदीय चुनाव कानून को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे और एचओआर का नेतृत्व उभरते चुनावी विधायी ढांचे पर व्यापक सहमति बनाने के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। यूएनएसएमआईएल ने संसद से अगले सप्ताह संसदीय चुनाव कानून पर काम पूरा करने का अनुरोध किया। संसद ने मंगलवार को जीएनयू से विश्वास वापस लेने और इसे कार्यवाहक सरकार के रूप में रखने की घोषणा की। मिशन पुष्टि करता है कि वर्तमान जीएनयू तब तक वैध सरकार बनी हुई है जब तक कि चुनावों के बाद नियमित प्रक्रिया के माध्यम से इसे दूसरी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है। इसका ध्यान देश को 24 दिसंबर, 2021 को संसदीय और राष्ट्रपति चुनावों की ओर लाना और लोगों के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करना है। 8 सितंबर को, संसद ने वित्तीय और प्रशासनिक उल्लंघनों पर प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबीबाह से सवाल करने के लिए एक सत्र आयोजित किया, जिसे दबीबाह ने इनकार कर दिया क्योंकि उनकी सरकार का बजट संसद द्वारा अनुमोदित नहीं था।

मैं डोनाल्ड ट्रंप नहीं हूं: बाइडेन ने यूएनजीए को दिया आश्वासन

युक्त राष्ट्र। ऐसा नहीं था कि जो बाइडेन ने अमेरिका फर्स्ट के समय-परीक्षणित तख्ती को एकमुश्त खाली कर दिया। 1600 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू का कोई निवासी ऐसा नहीं कर सकता। लेकिन इसका दोष उन्हें और कमला हैरिस को काबुल से उनके बुरे निकास और पेरिस से अपने अधिकार के लिए सामने की चुनौती पर मिला, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के पहले भाषण में बहुपक्षवाद था। वह डोनाल्ड ट्रम्प की तरह नहीं है। लेकिन बाइडेन ने मंगलवार को ऐसा कुछ कहा कि लगा जैसे वे उनके बड़े भाई हों। ट्रम्प ने एंथोनी फौसी और विज्ञान का तिरस्कार किया, महामारी को गंभीर तरीके से नहीं लिया, तो वहीं बाइडेन काफी हद तक सजग थे कि कैसे कोविड -19 ने दुनिया और अमेरिका को हमेशा के लिए बदल दिया था। यदि ट्रम्प ने अंततः विश्व स्वास्थ्य संगठन पर निराशा व्यक्त की और यहां तक कि अमेरिका को बाहर निकालने की धमकी दी, तो बाइडेन ने यूएनजीए को डब्ल्यूएचओ और वुहान में शी की घातक प्रयोगशाला में बुनाई के लिए समय और स्थान के उस रूप में नहीं देखा, जिसमें चमगादड़ और उनके संचालकों को अतीत के युद्धों के लिए भेजा गया था। इसके केंद्र में गरीबी, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन थे। अमेरिकी तरीके से व्यापक ब्रशिंग और विकासशील दुनिया के लिए तांडव नहीं, बल्कि सीमाओं के बिना इन युद्धों को लड़ने के लिए मेज पर असली डॉलर डालने का वादा किया गया।

चीन द्वारा घोषित जलवायु कार्रवाई से प्रोत्साहित हैं गुटेरेस

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 21 सितंबर को एक बयान जारी कर कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र की आम महासभा में चीन और अमेरिका के नेताओं द्वारा घोषित जलवायु प्रतिबद्धताओं से प्रोत्साहित हैं। गुटेरेस ने कहा कि वे राष्ट्रपति शी चिनफिंग की घोषणा का स्वागत करते हैं कि चीन विकासशील देशों में हरित और निम्न-कार्बन ऊर्जा के विकास का भारी समर्थन करेगा और नए विदेशी कोयले से चलने वाली बिजली परियोजनाओं का निर्माण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कोयले के हटाये जाने को तेज करना पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि वे वार्षिक जलवायु संबंधी वित्तपोषण को बढ़ाने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने याद दिलाया कि उसी दिन दुनिया की सबसे बड़ी दो अर्थव्यवस्थाओं द्वारा की गई घोषणाओं का बहुत-बहुत स्वागत है, लेकिन दुनिया को अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने सभी देशों, विशेष रूप से जी-20 से निर्णायक रूप से कार्य करने और उत्सर्जन को कम करने में प्रभावी योगदान देने के लिए और प्रयास करने का आह्वान किया।

अफगानिस्तान से अमेरिका के हटने के बाद क्वाड समिट का बदला माहौल

न्यूयॉर्क। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट मॉरिसन के साथ व्यक्तिगत रूप से शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। मोदी बाइडन के साथ पहली बार जटिलताओं के एक नए सेट के साथ दुनिया का सामना करेंगे। अफगानिस्तान से अमेरिका की अराजक वापसी ने तालिबान को अपनाने के कारण चीन को बढ़त देने वाले क्षेत्र में गतिशीलता को बदल दिया है, जबकि सहयोगियों के लिए अमेरिका पर उनकी निर्भरता के बारे में संदेह पैदा किया है। पूर्व ब्रिटिश प्रधान मंत्री टेरेसा मे ने संसद में पूछा कि नाटो के बारे में उनका क्या कहना है, क्या हम पूरी तरह से अमेरिका के एकतरफा फैसले पर निर्भर हैं?

यूरोपीय संघ (ईयू) भी इंडो-पैसिफिक में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है, लेकिन अमेरिका से स्वतंत्र है। लेकिन बाइडेन ने अपनी प्राथमिकताओं को इंडो-पैसिफिक में स्थानांतरित कर दिया है जहां चीन के साथ सीधा टकराव बढ़ रहा है और वास्तव में, उन्होंने अफगानिस्तान से बाहर निकलने के लिए एक तर्क के रूप में इसका हवाला दिया।

वह सिर्फ सुरक्षा मामलों से परे क्वाड की भूमिका का विस्तार करने के रास्ते पर जारी है, एक लक्ष्य जो नेताओं ने मार्च में एक आभासी शिखर सम्मेलन में निर्धारित किया था।

कोविड-19 के नये मामलों की संख्या लगातार घटना पिछले हफ्ते भी जारी रहा: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोविड-19 के नये मामलों में लगातार पिछले हफ्ते भी कमी आई और विश्व में 36 लाख नये मामले सामने आए, जबकि इससे पहले के हफ्ते में संक्रमण के 40 लाख नये मामले सामने आए थे। पिछले हफ्ते मामलों में आई कमी दो महीने से अधिक समय में पहली बार सर्वाधिक कमी थी। विश्व के हर क्षेत्र में मामलों में कमी आई थी। महामारी से जुड़ी विज्ञप्ति में मंगलवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि दो क्षेत्रों में संक्रमण के नये मामलों बड़ी कमी दर्ज की गईः पश्चिम एशिया में 22 प्रतिशत कमी हुई और दक्षिण पूर्व एशिया में 16 प्रतिशत कमी आई।

संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि पिछले हफ्ते कोविड-19 से सात प्रतिशत कम मौतें हुई और यह संख्या 60,000 से कम रही। दक्षिण पूर्व एशिया में कोविड से मौत में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में सात प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के ज्यादातर नये मामले अमेरिका, भारत, ब्रिटेन, तुर्की और फिलीपीन में सामने आए। स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि तेजी से फैलने वाला वायरस का डेल्टा स्वरूप अब 185 देशों में पाया जा रहा है और यह विश्व के प्रत्येक हिस्से में है।

अफगानिस्तान में तालिबानी राज से भारत को खतरा, भारी मात्रा में हेरोइन की हो रही तस्करी, एजेंसियां हुईं सतर्क

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार के गठन के साथ ही एक बार फिर से ड्रग्स का व्यापार करने वालो को बल मिला है। इसी बीच सुरक्षा और तस्करी रोधी एजेंसियों के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में गुजरात के बंदरगाह से जब्त की गई दो कंटेनर हेरोइन के बाद से सुरक्षा और तस्करी रोधी एजेंसियां और भी ज्यादा सतर्क हो गई हैं।

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' के मुताबिक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन भेजने की कोशिशें की जा रही हैं।

हेरोइन की हो रही तस्करी

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान में सरकार चलाने के लिए तालिबान को पैसों की आवश्यकता है। ऐसे में वह ड्रग्स के व्यापार को बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। वहीं एजेंसियों ने चिंता जताई है कि तालिबान ड्रग्स के व्यापार के लिए जबरदस्ती भारत में घुसपैठ करने की कोशिशें करेगा। यह किसी के छिपा नहीं है कि ड्रग्स के जरिए ही तालिबान ने अपनी ताकत में इजाफा किया है। पिछली बार की तुलना में अत्याधुनिक हथियार जुटाए हैं।

पकड़ी गई थी 3,000 किलो हेरोइन

एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि भारतीय जलक्षेत्र में हेरोइन से भरे जहाजों के पकड़े जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बतायाई कि डीआरआई को मुंद्रा बंदरगाह से करीब 3,000 किलो हेरोइन मिली। जिसकी जांच चल रही है। हेरोइन की तस्करी अफगानिस्तान से की गई थी, जो अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में अफीम से हेरोइन बनाने के लिए प्रयोगशालाएं हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साल 2019 में अफगानिस्तान में अफीम की कटाई ने लगभग 12,000 लोगों को नौकरियां दी थी। यह भी माना जाता है कि तालिबान के सालाना राजस्व में तकरीबन 60 फीसदी तक योगदान नशीली दवाओं के व्यापार से होता है।

एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र के भाषण में फिर किया कश्मीर का जिक्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने फिर से संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया है, लेकिन उनका बयान पिछले दो वर्षो की तुलना में हल्का था।

उन्होंने मंगलवार को महासभा के शिखर सम्मेलन में अपने भाषण में कहा, हम पार्टियों के बीच बातचीत के माध्यम से और प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के ढांचे के भीतर 74 वर्षो से कश्मीर में चल रही समस्या को हल करने के पक्ष में खड़े हैं। लेकिन पिछले साल उन्होंने कश्मीर की स्थिति को एक ज्वलंत मुद्दा बताया था और कश्मीर के लिए विशेष दर्जे को समाप्त करने की आलोचना की थी।

एर्दोगन ने भारतीय केंद्र शासित प्रदेश का जिक्र करते 2019 में कहा था कि स्वीकृत प्रस्तावों के बावजूद, कश्मीर अभी भी घिरा हुआ है और आठ मिलियन लोग कश्मीर में फंस गए हैं। उस वर्ष महातिर मोहम्मद, जो उस समय मलेशिया के प्रधानमंत्री थे, कश्मीर को लाने में एर्दोगन के साथ शामिल हुए। उन्होंने एक उग्र बयान में कहा कि भारत ने कश्मीर पर आक्रमण किया और कब्जा कर लिया।

लेकिन पिछले साल सरकार बदलने के साथ मलेशिया कश्मीर को नहीं लाया।

2019 में एर्दोगन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्की की एक निर्धारित यात्रा रद्द कर दी थी।

भारत का कहना है कि 1972 के शिमला समझौते के तहत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो, जो उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे, के बीच कश्मीर एक द्विपक्षीय मामला है और इसका अंतर्राष्ट्रीयकरण नहीं किया जाना चाहिए। मंगलवार को अपने भाषण में, एर्दोगन ने चीन में उइगर मुस्लिम अल्पसंख्यक के सामने आने वाली समस्याओं का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, चीन की क्षेत्रीय अखंडता के परिप्रेक्ष्य में, हम मानते हैं कि मुस्लिम उइगर तुर्कों के मूल अधिकारों के संबंध में और अधिक प्रयास प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। उइगर अल्पसंख्यक के सदस्यों को शिविरों में रखा जा रहा है और चीन के बहुमत से अभिभूत उनके धर्म और उनकी संस्कृति और भाषा का अभ्यास करने पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्वी अफगानिस्तान में हमलावरों ने तालिबान को निशाना बनाया, पांच की मौत

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में बुधवार को तालिबान के वाहनों पर किये गये हमलों में कम से कम दो लड़ाकों एवं तीन आम नागरिकों की मौत हो गयी। पिछले महीने अफगानिस्तान पर तालिबान के काबिज होने के बाद यह हिंसा की नवीनतम घटना है। चश्मदीदों ने बताया कि प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में एक स्थानीय गैस स्टेशन पर खड़े तालिबान के वाहन पर बंदूकधारियों ने गोलियां चलायीं जिससे दो लड़ाकों एवं गैस स्टेशन परिचारक की मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि एक बच्चा भी मारा गया। एक अन्य हमले में वाहन को बम से निशाना बनाने पर एक अन्य बच्चे की मौत हो गयी एवं दो तालिबान लड़ाके घायल हो गये। जलालाबाद में ही तालिबान के वाहन पर एक और बम हमला किया गया जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति तालिबान का पदाधिकारी है या नहीं। फिलहाल इन हमलों की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। वैसे पिछले हफ्ते ऐसे ही हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। तालिबान एवं इस्लामिक स्टेट एक दूसरे के कट्टर विरोधी हैं।

ट्रैवल अडवाइजरी में ब्रिटेन ने किया बदलाव, कोविशील्ड को माना स्वीकृत वैक्सीन

ब्रिटेन (एजेंसी)।

भारत सरकार के सख्त रुख के बाद कोविशील्ड को मान्यता देने को लेकर ब्रिटेन ने अपने ट्रैवल अडवाइजरी में बदलाव किया है। अपनी संशोधित यात्रा सलाह में, ब्रिटेन सरकार का कहना है कि कोविशील्ड एक स्वीकृत वैक्सीन के रूप में योग्य है। आपको बता दें कि भारत ने ब्रिटेन के समक्ष इसको लेकर सख्त रुख अपनाया था। यात्रियों के संबंध में ब्रिटेन की नयी कोविड-19 टीका नीति के संबंध में भारत की चिंताओं का समाधान नहीं किए जाने की स्थिति में विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा था कि कि ऐसी स्थिति में ''उसी तरह के कदम उठाए जा सकते हैं।'' श्रृंगला ने ब्रिटेन की इस नीति को भेदभावपूर्ण बताया।

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविशील्ड टीका लगवाने वालों के संबंध में देश की चिंताओं से ब्रिटेन की नवनियुक्त विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रस को न्यूयॉर्क में हुई बैठक में अवगत कराया था। दरअसल, ब्रिटेन के नये यात्रा नियम के अनुसार, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाए गए कोविशील्ड टीके की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के टीकाकरण को मान्यता नहीं दी जाएगी और ब्रिटेन पहुंचने पर उन्हें 10 दिनों के पृथक-वास में रहने की जरुरत होगी। इसी को लेकर श्रृंगला ने कहा था कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि, एक टीका है कोविशील्ड, जो ब्रिटिश कंपनी का लाइसेंसी उत्पाद है, जिसका उत्पादन भारत में होता है और ब्रिटिश सरकार के अनुरोध पर हमने ब्रिटेन को इसकी 50 लाख खुराक भेजी है।

पाकिस्तान में लोग महंगाई से बेहाल, स्थिति पर काबू पाने के बजाय अफगानिस्तान पर ध्यान केंद्रित कर रहा देश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर ध्यान केंद्रित करने वाला पाकिस्तान अपने देश में उच्च मुद्रास्फीति दर (लगातार बढ़ रही महंगाई) से जूझ रहा है।

हालांकि अप्रैल और मई में दहाई अंक के आंकड़ों को छूने के बाद, जुलाई और अगस्त में मुद्रास्फीति दर कम हुई है- मुद्रास्फीति की दर अब 8.4 प्रतिशत पर स्थिर हुई है। इमरान खान सरकार के लिए चिंता का विषय खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमत है। उच्च खाद्य कीमतें देश के गरीबों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं। अप्रैल और मई में मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 11.1 फीसदी और 10.87 फीसदी पर पहुंच गई थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति - खाद्य और ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर - अगस्त में शहरी क्षेत्रों में धीमी होकर 6.3 प्रतिशत हो गई, खाद्य कीमतों में एक साल पहले इसी महीने की तुलना में लगभग दो अंकों की वृद्धि देखी गई थी। गल्फ न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान सरकार के सामने विभिन्न चुनौतियों के बीच, जीवनयापन के लिए जरूर वस्तुओं की बढ़ती लागत, दैनिक उपयोग की बढ़ी हुई कीमतों और आधिकारिक मुद्रास्फीति आकलन है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार महंगाई से पार पाने में असफल रही है और देश में लगातार खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य जरूरों सामानों की कीमत बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी नोट किया गया है कि समस्या का एक हिस्सा जमाखोरी और मुनाफाखोरी से संबंधित है। रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में कृत्रिम कमी के कारण जनता को उन सामानों का पीछा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो अचानक काउंटर से बाहर हो जाते हैं और भारी मूल्य टैग के साथ फिर से प्रकट होते हैं। यह समस्या जमाखोरी का कारण उत्पन्न होती है। इससे भी बुरी बात यह है कि पाकिस्तान में मुद्रास्फीति की दर कोविड-19 महामारी की चपेट में आने से पहले से ही बढ़ रही है। पिछले साल जनवरी में - महामारी के प्रकोप से पहले - पाकिस्तान की मुद्रास्फीति दर बढ़कर 14.6 प्रतिशत हो गई थी। वित्तीय वर्ष 2019-20 में मुद्रास्फीति की दर 10.7 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो दुनिया में सबसे अधिक दर्ज की गई थी, जिससे खान को बहुत शर्मिंदगी उठानी पड़ी, जिन्होंने 2018 में राष्ट्र के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला था। एक भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ने इंडिया नैरेटिव को बताया, पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जिसके पास शासन करने का कौशल बहुत कम है। यह खुद तो शासन करने में कामयाब नहीं हो पा रहा है, लेकिन अब यह अफगानिस्तान और क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

प्रोटोकॉल के मुताबिक वाशिंगटन में कमला हैरिस करेंगी मोदी की मेजबानी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरह राज्य के प्रमुख नहीं हैं, लेकिन सरकार के प्रमुख हैं, इसलिए प्रोटोकॉल के तहत उनके समकक्ष उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हैं, जो आंशिक रूप से भारतीय मूल की हैं। वह उनकी औपचारिक मेजबान होंगी।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को उनसे मुलाकात करेंगे। 2019 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आलोचना करने के बाद हैरिस के मोदी के प्रशासन के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, क्योंकि उन्होंने सदन के प्रतिनिधियों की भारतीय मूल की सदस्य प्रमिला जयपाल की विदेश मामलों की समिति से मिलने से इनकार कर दिया था। जयपाल ने कश्मीर को लेकर भारत की आलोचना करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया था। किसी भी विदेशी सरकार के लिए कांग्रेस को यह बताना गलत है कि कैपिटल हिल पर बैठकों में किन सदस्यों की अनुमति है हैरिस ने उस समय कहा था कि जैसे कि किसी भारतीय मंत्री को यह तय करने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि वह किससे मिलना चाहता है और किससे नहीं। उपराष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने भारत की आलोचना से परहेज किया है, लेकिन उनकी भतीजी मीना हैरिस ने किसानों के आंदोलन का समर्थन किया है और भारत सरकार पर हमला किया है।

हालाँकि, हैरिस ने उपराष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद कई विश्व नेताओं से बात की थी, उन्होंने जून में ही मोदी के साथ फोन पर बातचीत की, जब उन्होंने बाइडेन के अमेरिकी भंडार से भारत को टीके भेजने की पेशकश पर चर्चा की थी। हो सकता है कि कोई गलतफहमी भी ठीक हो गई हो, जिसके बाद मोदी ने ट्वीट किया, मैं ग्लोबल वैक्सीन शेयरिंग के लिए अमेरिकी रणनीति के हिस्से के रूप में भारत को वैक्सीन की आपूर्ति के आश्वासन की गहराई से सराहना करता हूं। मैंने उन्हें अमेरिकी सरकार, व्यवसायों और भारतीय प्रवासियों से सभी समर्थन और एकजुटता के लिए धन्यवाद दिया। 2016 में जब मोदी ने वाशिंगटन का दौरा किया, तो बाइडेन उनके औपचारिक मेजबान थे।

बेरोजगारी भत्ता

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के 25 लाख युवाओं को नहीं दिया है बेरोजगारी भत्ता : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दूसरे राज्यों पंजाब, गोवा एवं उत्तराखंड में जाकर झूठे चुनावी वायदें कर बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं, ये सिर्फ चुनावी जुमले हैं। केजरीवाल को सबसे पहले ये बताना चाहिए कि पिछले सात सालों में उन्होंने दिल्ली के 14 लाख बेरोजगार, जो उनके सरकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रड हैं, उनमें से कितनों को बेरोजगारी भत्ता दिया है। आज मुख्यमंत्री आवास के बाहर दिल्ली में बेरोज़गारी भत्ता न देने के विरोध में प्रदेश भाजपा द्वार विरोध प्रदर्शन में श्री गुप्ता ने कहा कि पिछले 2 सालों में सिर्फ 28 और अपने पूरे 7 सालों के कार्यकाल में केजरीवाल ने दिल्ली में मात्र 404 लोगों को रोजगार दिया है, जो उनकी असलियत है। श्री गुप्ता ने कहा कि उत्तराखंड में तो आम आदमी पार्टी का जमानत जब्त होना तय है। उन्होंने केजरीवाल से सवाल किया कि आज देश के लगभग सभी राज्यों ने प्रधानमंत्री आवास योजना लागू किया है जिससे कई गरीब परिवारों के आवास के सपने पूरे हो रहे हैं, लेकिन दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने इसे अभी तक क्यों नहीं लागू किया है? इतना ही नहीं झूठे वायदें कर सहानुभूति बटोरने का नाटक करने वाली केजरीवाल सरकार को दिल्ली के उन गरीब लोगों को जवाब जरुर देना चाहिए जिन्होंने अपने राशन कार्ड के लिए पंजीकरण तो करा लिए हैं लेकिन पिछले पांच सालों से अपने राशन कार्ड बनने का इंतजार कर रहे हैं। श्री गुप्ता ने केजरीवाल की राजनीतिक द्वेष का शिकार हो रही आशा कार्यकर्ताओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2018 में मोदी सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं का इंसेंटिव 1000 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये किया था पर यह बहुत शर्मनाक है कि दिल्ली सरकार आशा कार्यकर्ताओं को उनके हक का पैसा नहीं दे रही है। श्री गुप्ता ने केजरीवाल सरकार को चोर और घोटालेबाज सरकार बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पहले जलबोर्ड घोटाला, डीटीसी घोटाला और फिर शराब नीति में करोड़ों का घोटाला कर दिल्ली के टैक्स पेयर्स के पैसें को दूसरे राज्यों में अपने चुनावी प्रचार पर खर्च कर रहे हैं। मुफ्त की बिजली तो बस एक छलावा है जबकि वास्तविकता यह है कि 7000 मेगावाट की खपत है जबकि 23000 मेगावाट के फिक्स चार्ज की वसूली होती है। उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल सरकार दिल्ली के पंजीकृत और गैर पंजीकृत बेरोजगार कुल 25 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं देती है तो यह प्रदर्शन एक जन आंदोलन बनेगा और दिल्ली के युवाओं की आवाज भारतीय जनता पार्टी हमेशा बनती रहेगी।

इस मौके पर आदेश गुप्ता के साथ प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम के संयोजक दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष जयवीर राणा, प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती योगिता सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासु रुखड़, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा सहित प्रदेश, जिला एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

मप्र में बाजार और सरकार मिलकर काम करेंगें - शिवराज

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश सरकार निर्यात को बढ़ाने पर जोर दे रही है, क्योंकि राज्य में प्राकृतिक सम्पदा, खनिज, जल और वन सम्पदा भरपूर है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वाणिज्य उत्सव 2021 के मध्यप्रदेश इंडियाज इमर्जिंग एक्सपोर्ट टाइगर कॉन्क्लेव में कहा कि निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार और सरकार मिलकर काम करेंगे। राजधानी के मिंटो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में प्राकृतिक सम्पदा, खनिज, जल और वन सम्पदा भरपूर है। प्रदेश में निर्यात बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। निर्यात बढ़ाने की दिशा में सरकार केवल अपने स्तर पर कार्य नहीं कर सकती। जो उद्यमी सक्रिय और अनुभवी हैं, उन्हें साथ लेकर राज्य सरकार इस दिशा में कार्य करेगी। बाजार और सरकार मिलकर काम करेंगे। भारत सरकार के वाणिज्य विभाग तथा प्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के संयुक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन डिस्ट्रिक्ट एज एक्सपोर्ट हब को ध्यान में रखते हुए राज्य में एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्उंसिल का गठन किया जा रहा है। यह एक हफ्ते में कार्य करना आरंभ कर देगी। वहीं प्रत्येक जिले में भी एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी गठित की जाएगी। एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्उंसिल प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। इसी प्रकार मध्यप्रदेश ट्रेड पोर्टल औद्योगिक इकाइयों तथा निर्यातकों के लिए निर्यात से जुड़ी तकनीकों को समझाने और निर्यातकों को विश्व के प्रमुख आयातकों से जोड़ने में सेतु का कार्य करेगा। एक्सपोर्ट हेल्पलाइन के माध्यम से निर्यातकों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा सकेगा। इस मौके पर कार्यक्रम को केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री

ओमप्रकाश सखलेचा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. सचिन चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन संजय शुक्ला ने कॉन्क्लेव की जानकारी दी। कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश एज एक्सपोर्ट पॉवर हाऊस, द एक्सपोर्ट्स फॉम मध्यप्रदेश और अनलिशिंग एक्सपोर्ट अपार्च्युनिटीज विशय पर पैनल डिस्कशन हुआ। इसमें भारत सरकार, राज्य शासन के अधिकारी तथा विभिन्न उद्योगों और व्यापारिक संगठनों तथा व्यापारिक इकाइयों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

सरकार ने चालू फसल वर्ष 2021-22 के लिए करोड़ 73.3 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने जून में समाप्त होने वाले चालू फसल वर्ष 2021-22 के लिए 30 करोड़ 73.3 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य फसल वर्ष 2020-21 के रिकॉर्ड 30 करोड़ 86.5 लाख टन के अनुमानित उत्पादन से कुछ कम है। यह पिछले वर्ष के उत्पादन से 3.74 प्रतिशत अधिक है।रबी अभियान 2021-22 के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान चालू फसल वर्ष का लक्ष्य निर्धारित किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि केंद्र उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्यों का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन और वर्षा सिंचित खेती से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में राज्यों की मदद करने के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। तोमर ने राज्यों से पानी, बिजली और उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और नैनो-यूरिया का उपयोग करने का आग्रह किया जो भूमि की उर्वरता के लिए कम खर्चीला और फायदेमंद है। मंत्री ने कहा कि केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) को छोटे किसानों तक पहुंचना चाहिए ताकि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकें। राज्यों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पीएम किसान और केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) हर किसान तक पहुंचे।

एक मिथक को तोड़ने असम में गैंडों के 2,479 सींग को जलाया गया, एक दिन में इतने सींग कभी नहीं जले

बोकाखाट । असम में गैंडों के 2,479 सींग को जला दिया गया, ताकि मिथक को दूर किया जा सके कि इन सींगों में चमत्कारी औषधीय गुण होते हैं। दुनिया में एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में कभी सींगों को नहीं जलाया गया। यह कदम लुप्तप्राय एक सींग वाले भारतीय गैंडों के अवैध शिकार को रोकने के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के प्रयासों का हिस्सा है।मुख्यमंत्री ने कहा,हम दुनिया को कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि सिर पर सींग के साथ जिंदा गैंडा हमारे लिए अनमोल है, न की मृत जानवर, जिनके सींग या शिकारियों द्वारा निकाल दिए जाते हैं या जो सरकारी खजाने में रखे गए हैं।'' 'विश्व गेंडा दिवस के अवसर पर बोकाखाट में मुख्यमंत्री, वन एवं पर्यावरण मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य और स्थानीय असम गण परिषद विधायक एवं कृषि मंत्री अतुल बोरा सहित कुछ मंत्रियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गैंडों के सींग को सार्वजनिक रूप से जलया गया। देश में इस तरह का यह पहला कदम है। शर्मा ने कहा कि कि भारतीय कानूनों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में लोगों और सरकारों दोनों द्वारा शरीर के अंगों की बिक्री पर रोक है, चाहे वह मनुष्य के हो या पशुओं के... असम इसका पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दंगाईयों को स्पष्ट चेतावनी, प्रदेश में कहीं भी दंगा किया तब संपत्ति जब्त होगी

अमरोहा (एजेंसी)।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा में पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार पर निशाना साधकर कहा कि समाजवादी पार्टी को प्रदेश में विकास से कोई लेना-देना नहीं था उन्हें सिर्फ अपने विकास से मतलब होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यूपी की पहचान दंगाइयों को संरक्षण देने की होती थी। पिछले साढ़े चार साल में उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। दंगाइयों को मेरी सरकार की स्पष्ट चेतावनी है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में दंगा करते हो, तब संपत्ति जब्त होगी। सार्वजनिक संपत्ति, गरीब के मकान को जलाते हो, तब सात पीढ़ियां भुगतान करते-करते थक जाएंगी लेकिन उसकी भरपाई नहीं कर सकोंगे। इस बीच अमरोहा में मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 433 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का गिफ्ट आज अमरोहा को एक साथ मिल रहा है। मैं विकास के पुनीत कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ आप सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कहा जाता था, जहां से गड्ढे शुरु हो, समझो उत्तरप्रदेश आ गया। जहां से अंधेरा प्रारंभ हो, समझो उत्तर प्रदेश आ गया। आज

उत्तर प्रदेश ने इन सारे मिथक को तोड़ा है। फोर लेन के साथ गांवों में बेहतर सड़कों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस बीच उन्होंने कहा कि यूपी की पहचान भ्रष्टाचार से युक्त प्रदेश के तौर पर होती थी। हमारी सरकार में जितने लोगों को नौकरी मिली है, किसी को भी एक रुपए की रिश्वत नहीं देनी पड़ी। सभी को योग्यता के आधार पर नौकरी मिली।

पंजाब में सिद्धू ने अपने करीबी को बनवाया अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट का चीफ

अमृतसर (एजेंसी) ।

पंजाब में बीते दिनों हुई सत्ता परिवर्तन के बाद और भी कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कल नौकरशाही में बड़ा फेरबदल देखने को मिला। नई सरकार ने अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष के पद पर राज्य कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के करीबी को नियुक्त किया है। सिद्धू के विरोधी माने जाने वाले दिनेश बस्सी की जगह दमनदीप सिंह उप्पल को ट्रस्ट का नया प्रमुख बनाया गया है। उप्पल के नाम की घोषणा नव नियुक्त मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सिद्धू के साथ अमृतसर दौरे के दौरान की गई थी। राज्य की बागडोर संभालने के बाद चन्नी का यह पहला अमृतसर दौरा था। उन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। सिद्धू के अलावा उनके साथ उनके दो प्रतिनिधि सुखजिंदर सिंह रंधावा और ओपी सोनी भी थे। इस बीच, चन्नी द्वारा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद मंगलवार को एक बड़ा नौकरशाही फेरबदल किया गया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पिछले दो महीनों में अपमान का हवाला देते हुए शनिवार को इस्तीफा दे दिया था। कैप्टन और सिद्धू के बीच सत्ता के बंटवारे को लेकर पंजाब कांग्रेस एक महीने से चल रही गुटबाजी और असहमति के दौर से गुजर रही थी।नए मुख्यमंत्री

कार्यालय में तीन और अधिकारियों को तैनात करते हुए नौ आईएएस और दो पीसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किया गया। सरकार ने तीन पुलिस आयुक्तों का भी तबादला किया है। गुरप्रीत सिंह भुल्लर, जिन्हें हाल ही में जालंधर का पुलिस उप महानिरीक्षक बनाया गया था, उन्हें नौनिहाल सिंह के स्थान पर लुधियाना का पुलिस आयुक्त बनाया गया। नौनिहाल सिंह को जालंधर का कमिश्नर बनाया गया। इस बीच, विक्रमजीत दुग्गल को अमृतसर के पुलिस आयुक्त के पद से हटा दिया गया और उनकी जगह सुखचैन सिंह गिल को नियुक्त किया गया। बटाला इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन को बदलने की भी खबरें आई थीं। कहा जाता है कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा ने तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा की जगह अध्यक्ष के रूप में अपने एक करीबी सहयोगी को नियुक्त किया है।

रीट को सफल बनने सीएम ने मांगा राजनीति दलों व सामाजिक संगठनों से सहयोग

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 26 सितंबर को होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) के सफल आयोजन के लिए राजनीति दलों व सामाजिक संगठनों से सहयोग मांगा है। राज्य में अपनी तरह की इस सबसे बड़ी परीक्षा में 16 लाख से अधिक परीक्षार्थी भाग लेने वाले है। गहलोत ने ट्वीट किया,26 सितंबर को आयोजित होने वाली रीट परीक्षा में 16.51 लाख अभ्यर्थी शामिल होने हैं। यह राज्य की अभी तक की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। उन्होंने कहा, सरकार ने अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज में निशुल्क यात्रा का इंतजाम किया है, लेकिन उनकी संख्या ज्यादा होने के कारण सभी के सहयोग की आवश्यकता है। सीएम गहलोत ने लिखा है,मैं सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों व आमजन से

अपील करता हूं कि व्यवस्था बनाने में प्रशासन तथा अभ्यर्थियों का सहयोग करें।बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों को ठहरने, खाने आदि में यथासंभव मदद करें। कोई अफवाह ना फैलायें। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लगभग 31,000 अध्यापकों की नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा 26 सितंबर को होनी है। परीक्षा के लिए करीब 16.51 लाख परीक्षार्थियों ने आवेदन भरा है जिसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के समस्त कार्यालय तथा रीट से संबंधित समस्त सेवाओं को अत्यावश्यक सेवा घोषित किया है। यह परीक्षा करीब तीन साल बाद हो रही है और 26 सितंबर को इसका आयोजन दो पारियों में होगा। इसके लिए राज्य में 200 स्थानों 4,153 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

लद्दाख की एयर सिक्योरिटी के इंचार्ज रह चुके हैं नए एयरफोर्स चीफ,

कारगिल युद्ध में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वायु सेना के बेहद तेज-तर्रार अफसरों में शुमार किए जाने वाले एयर मार्शल वीआर चौधरी अब इंडियन एयरफोर्स के नए चीफ के रूप में शपथ लेंगे। वर्तमान में एयरफोर्स के वाइस चीफ वीआर चौधरी का पूरा नाम विवेक राम चौधरी है। वह 1 जुलाई 2021 को एयर मार्शल हरजीत सिंह अरोड़ा के स्थान पर 45वें वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने थे।

वीआर चौधरी के शुरुआती करियर की बात करें तो उनका चयन नेशनल डिफेंस अकेडमी (एनडीए) के जरिए हुआ था। इसके बाद उन्होंने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज से भी ग्रेजुएशन किया। वीआर चौधरी को 29 दिसंबर 1982 को एक फाइटर पायलट के रूप में भारतीय वायु सेना में कमीशन किया गया था। उनकी योग्यता एक योग्य फ्लाइट इंस्ट्रक्टर की है। उन्हें मिग-21, मिग-23एमएफ, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई सहित विभिन्न लड़ाकू विमानों पर 3800 घंटे से ज्यादा की उड़ान का अनुभव है। वह लद्दाख बॉर्डर की एयर सिक्योरिटी के इंचार्ज रह चुके हैं। उनके इस दौरान के अनुभव को काफी प्रभावी माना जाता है। वीआर चौधरी एयरफोर्स में ऑपरेशन मेघदूत और ऑपरेशन व्हाइट सी जैसे मिशन से अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। उन्हें अलग-अलग तरह के लड़ाकू विमानों को उड़ाने में महारत हासिल है। वह7 वायु सेना के कुछ बेहद अहम मिशन का हिस्सा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन मेघदूत 37 साल पहले भारतीय सशस्त्र सेना का सफल अभियान रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए ही भारतीय सेना ने कश्मीर के सियाचिन ग्लेशियर पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल किया लथा। यह वह ऑपरेशन था जिसने पाकिस्तानी सेना को हमारे जवानों ने पीछे जाने के लिए मजबूर कर दिया था। ऑपरेशन मेघदूत अभियान का कोडनेम था जिसे 13 अप्रैल 1984 की सुबह को अंजाम दिया गया था। इस पूरे ऑपरेशन में वीआर चौधरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1999 के करगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन सफेद सागर चलाया गया।

यह थल सेना के साथ वायु सेना का संयुक्त अभियान था। इसकी जिम्मेदारी सेना को सौंपी गई थी। सफेद सागर कोड नेम वाले इस ऑपरेशन का उद्देश्य नियंत्रण रेखा के साथ करगिल सेक्टर में भारतीय चौकियों को पाकिस्तान के कब्जे से खाली कराना था। इन सभी चौकियों पर पाकिस्तानी सैनिकों ने धोखे से कब्जा जमा लिया था। साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद यह जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में वायु शक्ति का पहला बड़े पैमाने पर इस्तेमाल था। इसमें भी विवेक राम चौधरी की बड़ी भूमिका रही थी। बता दें कि मौजूदा वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। एयर चीफ मार्शल भदौरिया के रिटायरमेंट के बाद वीआर चौधरी 27वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कमान संभालेंगे। उन्होंने इससे पहले पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

ग्राहकों को घर बैठे आसानी से मोबाइल सिम मिल जाएगा, दूरसंचार विभाग ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली । ग्राहकों को नए मोबाइल कनेक्शन के लिए दुकान नहीं जाना पड़ेगा। घर बैठे आसानी से मोबाइल सिम ले सकते हैं। मोदी सरकार ने इस लेकर नई नियमों का ऐलान किया है। आधार या डिजी लॉकर में रखे किसी भी मान्य दस्तावेज के जरिए स्वयं का सत्यापन कर अपने घर पर ही सिम प्राप्त कर सकते हैं। दूरसंचार विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया। दूरसंचार विभाग का यह कदम दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों का हिस्सा है। इस मंत्रिमंडल ने 15 सितंबर को मंजूरी दी थी। नए नियमों के अनुसार ग्राहकों को घर बैठे नया मोबाइल कनेक्शन यानी सिम प्राप्त करने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के आधार से जुड़े ई-केवाईसी सत्यापन के लिए एक रुपया देना होगा। सरकार नए मोबाइल कनेक्शन जारी करने के लिए आधार से जुड़ी ई-केवाईसी प्रक्रिया को फिर से शुरू करने को लेकर जुलाई 2019 में ही भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 में संशोधन कर चुकी है। आदेश के अनुसार, ग्राहकों को एक एप/पोर्टल-आधारित ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से मोबाइल कनेक्शन जारी होगा। इसके तहत ग्राहक घर/कार्यालय में बैठे मोबाइल कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकता है और यूआईडीएआई (आधार) या डिजिलॉकर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से सत्यापित दस्तावेजों का उपयोग करके अपने घर पर सिम प्राप्त कर सकता है।''

लद्दाख में शुक्रवार से शुरू होगा हिमालयन फिल्म समारोह, अनुराग ठाकुर करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पहली बार हिमालयन फिल्म समारोह की मेजबानी करेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर शुक्रवार को इसका उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में बताया गया है कि ठाकुर समारोह की शुरुआत करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन 24 से 28 सितंबर के बीच लेह में किया जाएगा। पांच दिवसीय उत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में हिंदी फिल्म 'शेरशाह' के निर्देशक विष्णुवर्धन और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा शामिल होंगे। बयान के अनुसार दर्शकों को रोमांचित करने के लिए समारोह में विभिन्न खंड शामिल किए गए हैं जिनमें सिंधु संस्कृति सभागार, लेह में लोकप्रिय फिल्मों का प्रदर्शन शामिल है। इसके अलावा कार्यशालाएं और मास्टर कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी जिनमें हिमालयी क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं, समीक्षकों और तकनीशियनों को आमंत्रित किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि यह फिल्म निर्माण की ओर रचनात्मक झुकाव को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन के रूप में काम करेगा। मंत्रालय ने कहा कि समारोह में लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के लिए संस्कृति विभाग के सहयोग से वृत्तचित्र और लघु-फिल्म प्रतियोगिताएं, खाद्य उत्सव, संगीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद से बढ़ी हेरोइन की तस्करी, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली । अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार के गठन के साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी के मामले बढ़ गए हैं। हाल ही में गुजरात के बंदरगाह से दो कंटेनर हेरोइन के बरामद होने के बाद से सुरक्षा और तस्करीरोधी एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन भेजने की कोशिशें की जा रही हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान में सरकार चलाने के लिए तालिबान को पैसों की आवश्यकता है। ऐसे में वह ड्रग्स के व्यापार को बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। वहीं एजेंसियों ने चिंता जताई है कि तालिबान ड्रग्स के व्यापार के लिए जबरदस्ती भारत में घुसपैठ करने की कोशिशें करेगा। यह किसी के छिपा नहीं है कि ड्रग्स के जरिए ही तालिबान ने अपनी ताकत में इजाफा किया है। पिछली बार की तुलना में अत्याधुनिक हथियार जुटाए हैं। एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि भारतीय जलक्षेत्र में हेरोइन से भरे जहाजों के पकड़े जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीआरआई को मुंद्रा बंदरगाह से करीब 3,000 किलो हेरोइन मिली। हेरोइन की तस्करी अफगानिस्तान से की गई थी, जो अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साल 2019 में अफगानिस्तान में अफीम की कटाई ने लगभग 12,000 लोगों को नौकरियां दी थी। माना जाता है कि तालिबान के सालाना राजस्व में तकरीबन 60 फीसदी तक योगदान नशीली दवाओं के व्यापार से होता है।

केरल में मुफ्त फूड किट योजना बंद होने के आसार

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से हर घर में मासिक भोजन किट का मुफ्त वितरण किया जा रहा है। राज्य सरकार अब इस योजना को बंद करने पर विचार कर रही है। देश में लॉकडाउन के चालते अप्रैल-मई 2020 में 13 वस्तुओं की खाद्य किट का मुफ्त वितरण शुरू किया गया था। विजयन भोजन किट के वितरण के साथ आगे बढ़े, जो कई लोगों के लिए सबसे बड़ी सहायता साबित हुई इससे लॉकडाउन के दौरान कोई भी भूखा नहीं रहा है। अब तक, लगभग 12 करोड़ खाद्य किट वितरित किया जा चुका हैं और राज्य के खजाने से लगभग 5,300 करोड़ रुपये खर्च हुआ हैं। राज्य सरकार की खराब वित्तीय स्थिति के बारे में फुसफुसाहट शुरू हो गई है, जो अब तक आमने-सामने अस्तित्व और सार्वजनिक ऋण है। राज्य सरकार का आंकड़ा चौंका देने वाला 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, योजना को वापस लिए जाने की अटकलों के बीच बुधवार को राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री जी.आर. अनिल ने कहा कि मुफ्त भोजन किट को रोकने के लिए कोई निर्णय नहीं लिया गया है। अनिल ने कहा,हां, इसके प्रति वित्तीय निहितार्थ के संबंध में कुछ मुद्दे हैं, लेकिन इसे रोकने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले गरमा रही दलित राजनीति, यूपी में भी दिखेगा असर

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के पहले दलित राजनीति गरमाने लगी है। पंजाब में दलित मुख्यमंत्री पर दांव लगाकर कांग्रेस ने राज्य में अपने समीकरणों को साधने की तो कोशिश की ही है, सभी दलों को भी सक्रिय कर दिया है। भाजपा ने भी बिना देर किए राज्यपाल पद छोड़ने वाली बेबी रानी मौर्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया। दरअसल चरणजीत सिंह चन्नी की ताजपोशी के बाद जिस तरह से बसपा प्रमुख मायावती ने प्रतिक्रिया दी और भाजपा ने भी अपने दलित नेताओं को उतारा उससे साफ है कि सभी दल दलित राजनीति के दांव की अहमियत को समझ रहे हैं। दलित राजनीति से जुड़े यह समीकरण केवल पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, इनका असर अगले लोकसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। देश भर में दलित आबादी 16.6 फीसदी है। लेकिन पंजाब में इसकी संख्या 32 फीसदी व उत्तर प्रदेश में 22 फीसदी है। ऐसे में उत्तर प्रदेश व पंजाब के विधानसभा चुनाव पर इसका काफी असर पड़ता है। पंजाब के दलित समुदाय की प्रमुख जातियों में रोटी व बेटी का संबंध न होने से वहां पर दलित राजनीति सफल नहीं हो पाई है। बसपा के संस्थापक कांसीराम पंजाब से थे, लेकिन इसी वजह से वह भी राज्य में बसपा का जनाधार नहीं बना सके थे।

देश की राजनीति पर पड़ेगा असर-कांग्रेस के दलित मुख्यमंत्री का कार्ड पंजाब में भले ही ज्यादा या कम चले, लेकिन उसका असर देश भर की राजनीति में होगा। चरणजीत सिंह चन्नी इस समय देश में अकेले दलित समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री हैं। भाजपा व एनडीए के सहयोग व समर्थन वाली देश में 17 सरकारें हैं, लेकिन एक में भी दलित मुख्यमंत्री नहीं है। देश में यह 2015 के बाद कोई दलित मुख्यमंत्री बना है।

अमेरिका के लिए रवाना हुए पीएम मोदी, खुद ट्वीट कर दी कार्यक्रम की जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी बुधवार को पांच दिनी अमेरिकी यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वह इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में भाग लेने के साथ-साथ अन्य देश के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। वहीं अमेरिका के लिए प्रस्थान करने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद ट्वीट कर अपनी यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 22-25 सितंबर के बीच अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान, मैं राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करूंगा और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करूंगा। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि मैं राष्ट्रपति बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन और जापान के पीएम योशीहिदे सुगा के साथ पहले व्यक्तिगत रूप से क्वाड लीडर्स समिट में भाग लूंगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण के आधार पर भविष्य की व्यस्तताओं के लिए प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर प्रदान करता है।

ये हैं पीएम मोदी के कार्यक्रम

पीएम मोदी 22 सितंबर को देर रात वाशिंगटन डीसी पहुंचेंगे और अगली सुबह वह अमेरिका के शीर्ष सीईओ से मुलाकात करेंगे। एपल प्रमुख टिम कुक के साथ एक बैठक भी कार्ड पर है। हालांकि, अधिकारियों ने बैठक के विवरण की पुष्टि नहीं की और समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि कार्यक्रम अभी भी तैयार ही किया जा रहा है। अमेरिका के शीर्ष व्यवसायियों के साथ बैक-टू-बैक बैठकों के बाद 23 सितंबर को पीएम मोदी अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री उसी दिन

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापानी समकक्ष योशीहिदे सुगा से भी मुलाकात करेंगे।

पीएम मोदी 24 सितंबर को राष्ट्रपति बाइडन से करेंगे मुलाकात

पीएम मोदी 24 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पहली प्रत्यक्ष द्विपक्षीय बैठक करेंगे और वाशिंगटन में पहले इन-पर्सन क्वाड लीडर्स समिट में भाग लेंगे। पीएम मोदी के दौरे के दौरान डिनर का भी आयोजन किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यात्रा भी पीएम मोदी की वाशिंगटन यात्रा के साथ मेल खा रही है और दोनों के मिलने की संभावना है। 24 सितंबर की शाम को, पीएम मोदी न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे, जहां अगले दिन वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे।

ताकत से ताकत की ओर जाने का अवसर होगा- बाइडन

वहीं पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ यह पहली इन-पर्सन मीटिंग होगी। भारत के साथ हमारी वैश्विक साझेदारी के दृष्टिकोण से स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक संबंध को बनाए रखने के लिए एक साथ काम करके यह वास्तव में ताकत से ताकत की ओर जाने का अवसर होगा।

बाइडन प्रशासन की तरफ से जारी बयान में कहा कि पीएम मोदी और जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद के खतरे और अफगानिस्तान की स्थिति के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा कि हम आतंकवाद जैसे दुश्मन से लड़ने के लिए एक साथ कैसे काम कर सकते हैं। आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध सिर्फ सरकार से सरकार के रिश्ते से ज्यादा गहरे हैं, यह वास्तव में दो लोगों के बीच का रिश्ता है।

वहीं व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच 24 सितंबर को होने वाली पहली द्विपक्षीय बैठक से दोनों देशों के बीच संबंध को और मजबूती मिलेगी और क्वाड समूह को नयी गति देने में मदद मिलेगी।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, 'बैठक के दौरान दोनों नेता अपने लोगों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच गहरे संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसने सात दशकों से अधिक समय तक अमेरिका और भारत के बीच विशेष बंधन को मजबूती दी है।'

वैज्ञानिक ने कहा- सितंबर में कोरोना वायरस की रिप्रोडक्शन-वैल्यू हुई एक से भी कम

नई दिल्ली। चेन्नई के इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज की वैज्ञानिक सिताभरा सिन्हा का कहना है कि कोरोना वायरस की रिप्रोडक्शन (आर) वैल्यू गिरकर एक से कम हो गई है। अध्ययन के के अनुसार, कोरोना वायरस की आर वैल्यू अगस्त के आखिर में एक थी जो सितंबर में गिरकर 0.92 हो गई है। आर-वैल्यू एक से कम होने का मतलब है कि वायरस के फैलने की गति वहां धीमी हो गई है। वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन के आधार पर बताया है कि प्रमुख शहर जैसे मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बंगलूरू में आर वैल्यू एक से अधिक है। पुणे और दिल्ली में ये दर एक से कम है। कोरोना से बुरी तरह प्रभावित रहे महाराष्ट्र व केरल में सक्रिय मामले अधिक

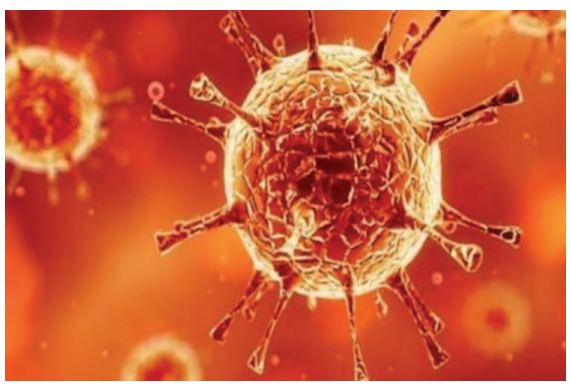

होने के बावजूद भी वायरस की आर वैल्यू एक से कम है।

आर-वैल्यू को ऐसे समझें

वैज्ञानिकों के अनुसार एक संक्रमित व्यक्ति औसतन कितने लोगों को संक्रमित कर हा है। इसी से आर वैल्यू तय होती है। इसी से वायरस के प्रसार की गति का भी पता चलता है। दूसरी लहर के दौरान आर वैल्यू में गिरावट राहत का संदेश है।

स्कूली छात्र ने पकड़ी वेबसाइट में खामी, लीक हो सकता था कस्टमर डाटा

चेन्नई। एक स्कूली छात्र ने आईआरसीटीसी के ई-टिकट प्लेटफार्म पर एक ऐसी गड़बड़ी पकड़ी, जिससे कस्टमर का डाटा लीक होने की संभावना रहती थी। चेन्नई के इस 12वीं कक्षा के छात्र की तरफ से बुकिंग साइट पर इनसिक्योर डायरेक्ट ऑब्जेक्ट रेफरेंस (आईडीओआर) की मौजूदगी को लेकर चेतावनी जारी करने के बाद आईआरसीटीसी ने उसे सुधार लिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के आईटी विभाग ने शिकायत मिलने के बाद तत्काल उसका संज्ञान लिया और इस समस्या को दूर कर लिया। अधिकारी ने कहा, यह शिकायत 30 अगस्त को सामने आई थी और इसे 2 सितंबर को ठीक कर लिया गया था। अब हमारा ई-टिकट सिस्टम पूरी तरह से सुरक्षित है। यहां तम्बारम के एक निजी विद्यालय में पढ़नेवाले 12वीं के छात्र पी रेंगानाथम ने

एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के आईटी विभाग ने शिकायत मिलने के बाद तत्काल उसका संज्ञान लिया और इस समस्या को दूर कर लिया। अधिकारी ने कहा, यह शिकायत 30 अगस्त को सामने आई थी और इसे 2 सितंबर को ठीक कर लिया गया था।

बताया कि वह 30 अगस्त को जब टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने वेबसाइट पर यह समस्या (आईडीओआर) देखी, जो लाखों यात्रियों के हस्तांतरण का विवरण लीक करता है। यह एक बेहद आम समस्या है। उन्होंने इसके बाद तत्काल इसकी जानकारी इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) को दी। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करनेवाली सीईआरटी-इन को लिखे ईमेल शिकायत में कहा कि इसके जरिए कोई किसी दूसरे का टिकट भी रद्द कर सकता है और संवेदनशील जानकारियां जुटा सकता है।

कोर्ट का समय बर्बाद नहीं होने देने के लिए

झूठे मुकदमों पर रोक लगाने की जरूरत-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ऐसा मुकदमा आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दे सकती है जो कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं पैदा करता हो। दरअसल, झूठे मुकदमों पर रोक लगाने की जरूरत है ताकि अदालतों का वक्त बर्बाद नहीं हो। जस्टिस एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने अदालतों में दीवानी मुकदमे खारिज करने के मुद्दे से जुड़ी दीवानी दंड संहिता के ऑर्डर सात नियम 11 की व्याख्या पर आर बजोरिया नाम के व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यह कहा। न्यायालय ने कहा कि किसी दीवानी मुकदमे को खारिज करने का एक आधार यह है कि यह कानूनी कार्रवाई की जरूरत नहीं पैदा करता हो। शीर्ष न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की

एक खंडपीठ के फैसले के खिलाफ बाजोरिया की अपील खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

बच्चों के लिए जल्द आ सकती है कोरोना की वैक्सीन

भारत बायोटेक ने टीके के दूसरे-तीसरे चरण का ट्रायल किया पूरा

हैदराबाद। भारत में जल्द ही बच्चों के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन आ सकती है।भारत बायोटेक ने कहा कि कंपनी के 18 साल से कम उम्र के बच्चों पर इस्तेमाल के लिए कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन के दूसरे-तीसरे चरण का परीक्षण पूरा हो गया है और अगले हफ्ते तक भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) को आंकड़े सौंपने की उम्मीद है। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कृष्ण एल्ला ने कहा कि कोवैक्सीन का उत्पादन अक्टूबर में 5.5 करोड़ खुराकों तक पहुंच जाएगा, जो सितंबर में 3.5 करोड़ खुराक है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी के कोविड-19 रोधी इंट्रानैज़ल टीके (नाक से दिया जाने वाला टीका) के दूसरे चरण का परीक्षण अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है। एल्ला ने कहा, बच्चों के कोवैक्सीन के दूसरे-तीसरे चरण का परीक्षण पूरा हो गया है। आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। हम अगले हफ्ते तक आंकड़ों को (नियामक को) सौंप देंगे। स्वयंसेवकों की संख्या करीब एक हजार है।

उन्होंने कहा कि इंट्रानैज़ल टीका नाक में ही प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया दे सकता है जो कोरोना वायरस का प्रवेश द्वार है और इस तरह बीमारी, संक्रमण और संचरण से सुरक्षा प्राप्त हो सकती है। एल्ला के मुताबिक, इंट्रानैज़ल टीके का परीक्षण तीन समूहों पर किया जा रहा है, जिनमें से एक समूह को पहली खुराक के तौर पर कोवैक्सीन टीका दिया गया और दूसरी खुराक के तौर पर इंट्रानैज़ल टीका दिया गया है यानी नाक से टीका दिया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह से दूसरे समूह को सिर्फ इंट्रानैज़ल टीका दिया गया है जबकि तीसरे समूह को इंट्रानैज़ल और कोवैक्सीन का टीका 28 दिन के अंतराल पर दिया गया है। एल्ला ने बताया कि परीक्षण 650 स्वयंसेवकों पर किया जाएगा। कोवैक्सीन के उत्पादन स्तर पर एल्ला ने कहा कि हर महीने 10 करोड़ खुराकें बनाना तभी संभव हो पाएगा, जब अन्य विनिर्माण साझेदार सुरक्षा व अन्य मापदंड के साथ तैयार हों। भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन के निर्माण के लिए इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स एंड हेस्टर बायोसाइंसेज के साथ समझौता किया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम हर महीने साढ़े तीन करोड़ खुराकों की आपूर्ति कर रहे हैं। अगले महीने से हम साढ़े पांच करोड़ खुराकों की आपूर्ति करेंगे। बेंगलुरु में उत्पादन तेजी से हो रहा है। अन्य देशों में कोवैक्सीन के निर्यात पर, एल्ला ने कहा कि अगर केंद्र अनुमति देता है, तो कंपनी टीके के निर्यात के लिए तैयार है, हालांकि कंपनी को विदेशी बाजारों के लिए कोई जल्दी नहीं है।

अब 100 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर कोरोना टीकाकरण का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। इस बार टीकाकरण को 100 करोड़ पार ले जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अगले 17 दिन में करीब 18 करोड़ आबादी को वैक्सीन देने का लक्ष्य रखा गया है जिसकी तैयारियों में स्वास्थ्य मंत्रालय की एक टीम जुटी हुई है। आगामी सात अक्तूबर तक रिकॉर्ड टीकाकरण के जरिए 100 करोड़ का आंकड़ा पूरा करने के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। सात अक्तूबर 2001 को प्रधानमंत्री ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। 22 मई 2014 तक उन्होंने गुजरात की कमान संभाली और उसके बाद पहली बार देश के पीएम बने। सूत्रों का कहना है कि इन्हीं दो हफ्तों के दौरान बच्चों का टीकाकरण भी देश में शुरू किया जा सकता है।

टीकाकरण का बना था रिकॉर्ड

बीते 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देश में एक लाख से अधिक केंद्रों पर 2.51 करोड़ से अधिक लोगों ने वैक्सीन लिया था। यह न सिर्फ कोविड बल्कि सभी तरह के टीकाकरण को लेकर सबसे बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड भी है। ऐसा ही रिकॉर्ड टीकाकरण आगामी दिनों में भी दिख सकता है। अभी तक हिमाचल सहित छह राज्यों में पहली खुराक का टीकाकरण 100त्न हो चुका है।

टीकाकरण 82 करोड़ पार

दूसरी लहर और फिर वैक्सीन आपूर्ति में कमी के चलते टीकाकरण की गति पहले धीमी रही। वहीं पिछले दो महीने में न सिर्फ आपूर्ति बल्कि टीकाकरण में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार रोजाना 50 हजार से अधिक केंद्रों पर टीकाकरण हो रहा है।

अब तक कुल टीकाकरण 82 करोड़ पार हो चुका है। जिनमें 61 करोड़ से अधिक एकल खुराक वाले हैं। 23 करोड़ लोग दूसरी खुराक लेकर टीकाकरण खत्म कर चुके हैं। कुल टीकाकरण सात अक्तूबर तक 100 करोड़ ले जाने पर कार्य किया जा रहा है।

पांच दिन बाद 30 हजार से कम मिले नए संक्रमित

पांच दिन बाद कोरोना संक्रमण के नए मामलों में भारी गिरावट आई है। पिछले एक दिन में 30 हजार से भी कम मामले सामने आए हैं। दैनिक संक्रमण दर में भी गिरावट आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि पिछले एक दिन में 26115 नए मामले सामने आए हैं।

वहीं 252 मरीजों की मौत हुई है और 34469 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। इससे पहले 20 सितंबर को 30,256 नए संक्रमित सामने आए थे और 295 लोगों की मौत हो गई थी। अब देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 3,35,04,534 पहुंच गई है। 3,27,49,574 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 4,45,385 मरीजों की मौत हो चुकी है। सक्रिय मामलों की संख्या कम होकर 3,09,575 हो गई है।

सीरम अक्तूबर में टीके की 22 करोड़ डोज केंद्र को देगा

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने केंद्र सरकार को बताया है कि वह अक्तूबर माह में कोविशील्ड टीके की 22 करोड़ डोज देगा। एसआईआई में गर्वमेंट एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि कंपनी टीके का उत्पादन बढ़ाने में लगी हुई है। अक्तूबर में केंद्र सरकार और निजी अस्पतालों को टीके की कुल 21.90 करोड़ खुराक मुहैया कराई जाएगी।

सीरम ने बताया है कि जनवरी 2021 तक अब तक भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को टीके की कुल 66.33 करोड़ डोज मुहैया कराई जा चुकी है। इसी तरह राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों को 19 सितंबर 2021 तक 7.77 करोड़ डोज दी जा चुकी है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com